ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 10 अंक 11 7 से 13 मई, 2015 दयानन्दाब्द 192 सृष्टि सम्वत् 1960853116 सम्वत् 2072 जे. कृ.-03

युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती

गौ-हत्या, कन्या भ्रूण हत्या, धार्मिक अन्धविश्वास, नशाखोरी एवं अश्लीलता के विरुद्ध वैदिक विरक्त मण्डल एवं सार्वदेशिक सभा के संयुक्त तत्वावधान में हुआ

भव्य वेद प्रचार जन चेतना यात्रा का आयोजन

आर्य समाज में नव-जीवन का संचार करने वाले सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपना एक और संकल्प किया पूरा

दिसम्बर, 2015 तक देश के प्रत्येक राज्य में जायेंगे वेद प्रचार की पताका लेकर
- स्वामी आर्यवेश

सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए आज फिर से आर्य समाज सड़कों पर उतरा है
- देवेन्द्र पाल वर्मा

आर्य समाज में नए युग की शुरुआत हुई वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा से

छः प्रान्तों की 12 दिवसीय जन-चेतना यात्रा का गुरुकुल होशंगाबाद में हुआ समापन

ऐतिहासिक जन-चेतना यात्रा में अपनी संगठन निष्ठा का परिचय देने वाले संन्यासी, वानप्रस्थी, नेता व कार्यकर्ता होशंगाबाद गुरुकुल में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी व स्वामी ऋतस्पति जी के साथ

किसी ने ठीक ही कहा है कि अन्धकार के बादल भी धीरे-धीरे छंट ही जाते हैं, निराशा का वातावरण भी समय के साथ-साथ आशा में बदल जाता है, आपसी मन-मुटाव की खाई भी समय के साथ पाट दी जाती है। ऐसा ही एक प्रयास युवा हृदय सम्राट सार्वदेशिक सभा के प्रधान व वैदिक विरक्त मण्डल के अन्तर्राष्ट्रीय महामन्त्री स्वामी आर्यवेश जी ने किया है। 2 जुलाई, 2014 से सार्वदेशिक सभा के प्रधान पद की जिम्मेदारियाँ जब से पूरे आर्य जगत ने उन पर डाली तो चारों ओर एक उत्सुकता भरा वातावरण बन गया कि क्या स्वामी आर्यवेश वो सब कुछ इन विपरीत परिस्थितियों में कर पायेंगे जिसकी अपेक्षा पूरी दुनिया का आर्य समाज उनसे लगाये हुए है। संगठन में बिखराव की स्थिति थी आर्य समाज का पैसा वेद प्रचार में न लगकर कोर्टों में लग रहा था। युवाओं ने आर्य समाज को मृत संस्था मानकर उससे अपना मुंह फेर रखा था। राजनैतिक पार्टियाँ भी आर्य समाज के बिखराव का फायदा उठाने से चूक नहीं रही थी। इन सब विपरीत परिस्थितियों में कांटों भरा ताज स्वामी जी के सिर पर इस आशा व विश्वास के साथ रखा गया था कि वर्तमान समय में आर्य समाज को वे नई आशा की किरण बनकर नेतृत्व प्रदान करेंगे।

स्वामी आर्यवेश जी जिन्होंने अपने सामाजिक जीवन के प्रारम्भिक दिनों से ही विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफल परिणाम देने की छवि बना रखी थी। इस दिशा में सफल रहे। 1986 में कुम्भ मेला हरिद्वार में 40 दिन के वेद प्रचार शिविर का आयोजन व पौराणिक जगत को चुनौती। 1987 में स्वामी अग्निवेश जी के नेतृत्व में दिल्ली से देवराला की सतीप्रथा विरोधी यात्रा का सफल संयोजन। परिणामस्वरूप देश में कानून बना। 1993 में दिल्ली से हिसार तक स्वामी इन्द्रवेश जी के नेतृत्व में आयोजित पांच हजार लोगों की ऐतिहासिक शराबबन्दी पद यात्रा का संयोजन। 2005 में महर्षि दयानन्द के जन्म स्थान टंकारा से जलियांवाला बाग अमृतसर तक की बेटी बचाओ सर्वधर्म

शेष पृष्ठ 4 पर

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

स्वामी आर्यवेश ने मुझे कर्मयोगी बना दिया – स्वामी दिव्यानन्द

कन्या भ्रूण हत्या के कलंक को मिटाना ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य – बहन पूनम आर्या

कन्या भ्रूण हत्या करने वालों पर धारा–302 का मुकदमा दर्ज हो

दिसम्बर, 2015 तक देश के प्रत्येक राज्य में जायेंगे वेद प्रचार की पताका लेकर

वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा का नेतृत्व कर रहे सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने यात्रा के दौरान आयोजित सैकड़ों सभाओं व बैठकों में अपने विचार रखे। उन्होंने लोगों को सामाजिक बुराईयों को मिटाने का संकल्प दिलवाया तथा वेद मार्ग पर चलने तथा आर्य समाज की गतिविधियों को तेज करने एवं आर्य समाज को आम जनता का संगठन बनाने का आह्वान भी किया। स्वामी जी ने समापन अवसर पर घोषणा की कि यह समापन नहीं बल्कि एक पड़ाव है। यहीं से एक नया आगाज होगा वर्ष के अन्तिम महीने तक देश के प्रत्येक कोने तक वेद प्रचार जन–चेतना की पताका लेकर जायेंगें।

स्वामी जी ने इस वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री से भी अपील की तथा आर्य समाज की ओर से माँग रखी –

1. शराब सहित समस्त मादक पदार्थों पर प्रतिबन्ध के लिए केन्द्र की ओर से राष्ट्रीय नीति घोषित हो तथा देश में पूर्ण शराबबन्दी जल्द लागू हो।
2. कन्या भ्रूण हत्या को भारतीय दण्ड संहिता की धारा–302 के अन्तर्गत हत्या माना जाये।
3. गौ–हत्या व गौ–माँस के निर्यात पर देश में पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाये।
4. टेलीविजन व अन्य इलेक्ट्रानिक्स माध्यमों के द्वारा प्रसारित अश्लील व फूहड़ किस्म के कार्यक्रमों एवं विज्ञापनों आदि पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाये तथा देशभक्ति, चरित्र तथा नैतिकता आदि गुणों से ओत–प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायें।
5. दूरदर्शन व अन्य सभी चैनलों पर दिखाये जाने वाले विज्ञान के विपरीत पाखण्ड एवं अंधविश्वास तथा अन्य ज्योतिष तन्त्र–मन्त्र आदि से सम्बन्धित कार्यक्रमों व कथित धर्मगुरुओं के प्रवचनों पर रोक लगाई जाये। सभी धार्मिक स्थलों की गहराई से जाँच हो।

स्वामी जी ने आम जनता से भी आह्वान किया कि वे यह प्रतिज्ञा लें कि एक व्यक्ति कम से कम 100 व्यक्तियों को इन बुराईयों से दूर रहने तथा वेद मार्ग अपनाने का संकल्प जरूर करवायेगा। स्वामी जी की मार्मिक अपील का जन–साधारण के ऊपर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा।

– स्वामी आर्यवेश, प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु आर्य समाज आज फिर सड़कों पर उतरा है

मैं समझता हूँ कि आर्य समाज का वास्तविक स्वरूप यही है। आर्य समाज हमेशा आम जनता के जीवन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए लड़ता है। आज आर्य समाज के साधु, संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में इस भयंकर गर्मी में अपनी साधना व आराम को छोड़कर सड़कों पर निकले हैं ये अपने लिए नहीं बल्कि इस देश के करोड़ों लोगों की समस्याओं को मिटाने के लिए निकले हैं क्योंकि कोई आर्य समाजी तो गऊ हत्या करवाता है, न कन्या भ्रूण हत्या, न कोई नशाखोरी करता है और न ही अश्लीलता फैलाता है फिर भी ये साधु, संन्यासी अपना पूरा समय इन समस्याओं के उन्मूलन के लिए लगा रहे हैं। जब–जब आर्य समाज मन्दिरों की चार दिवारी से बाहर निकलकर आम समाज तक पहुँचा है तब–तब ऋषि दयानन्द व आर्य समाज का गौरव बढ़ा है। उत्तर प्रदेश में भी आर्य प्रतिनिधि सभा शीघ्र वेद प्रचार की नई योजना बनाकर पूरे प्रदेश में वेद का परचम फहराने का प्रयत्न करेगी। स्वामी आर्यवेश जी द्वारा वेद प्रचार जन–चेतना यात्राओं के माध्यम से जो अभिनव कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है यह आर्य समाज में नई जान फूंकने में सफल सिद्ध होगा, उत्तर प्रदेश आर्य प्रतिनिधि सभा उनके साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य करती रहेगी तथा सभी प्रान्तीय सभाओं से आग्रह करेगी कि वे भी आर्य समाज के लिए साथ आयें।

– देवेन्द्र पाल वर्मा, प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश

पाखण्ड के अड्डों को आर्य समाज ही तोड़ सकता है

यह वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा लोगों की जहाँ बुराईयाँ छुड़वाने का कार्य कर रही है वहीं वेद मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित भी कर रही है। महर्षि दयानन्द ने ही सर्वप्रथम इस धरती से पाखण्ड व आडम्बरों को मिटाने का संकल्प लिया था। इसके लिए ही उन्होंने कितनी बार यातनाएँ झेली और यहाँ तक कि अपने जीवन की बाजी भी लगा दी। आज पुनः एक प्रयास स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में वैदिक विरक्त मण्डल एवं सार्वदेशिक सभा ने किया है। जिसका सभी ओर पूरे उत्साह के साथ समर्थन किया जा रहा है। आज और अधिक ताकत के साथ पाखण्ड के अड्डों को तोड़ने की जरूरत है। यह काम केवल आर्य समाज ही कर सकता है। धर्म के नाम पर चल रही दुकानों को जागरूकता से ही बन्द करवाया जा सकता है।

– स्वामी सत्यवेश, शुक्रताल, मुजफ्फरनगर (उ. प्र.)

स्वामी आर्यवेश जी ने मुझे कर्मयोगी बना दिया

मैं हमेशा से ही आध्यात्मिक होने के कारण से व्यक्तिगत साधना के साथ योग शिविरों में ही रुचि रखता रहा हूँ पिछला बहुत लम्बा समय इन्हीं कार्यों में लगा है। परन्तु स्वामी आर्यवेश जी की आर्य समाज व ऋषि दयानन्द के प्रति निष्ठा व कार्यों के प्रति कर्मठता को देखकर तथा इस बिलखते समाज की हालत देखकर मैं भी इस आन्दोलन में कूद गया। पहले तो मैं योगी था परन्तु अब इस आन्दोलन में शामिल होकर कर्मयोगी भी बन गया। ऋषि दयानन्द के इस कार्य को सभी मिलकर आगे बढ़ायेंगे तो सफलता शीघ्र व शानदार मिलेगी।

– स्वामी दिव्यानन्द, कार्यकारी प्रधान, वैदिक विरक्त मण्डल

आर्य समाज को नव–जीवन प्रदान करेंगे स्वामी आर्यवेश

मैंने अपने 60 वर्षों के लम्बे सामाजिक जीवन में बहुत नेताओं को देखा है। ऋषि दयानन्द के प्रति श्रद्धा व समर्पण भी देखा है। लेकिन जो समर्पण, निष्ठा व कर्मठता स्वामी आर्यवेश जी में देखी है वह मुझे कहीं और दिखाई नहीं देती। स्वामी जी का आकर्षक व्यक्तित्व, प्रभावशाली वक्तृत्व कला, सौम्य स्वभाव, मिलनसारिता, आर्य समाज को और प्रभावी बनाने की योजना, छोटे से छोटे कार्यकर्ता का सम्मान व उसकी सभी कार्यों में भागीदारी, रात–दिन, अनथक मेहनत, आर्य एकता के प्रति वचनबद्धता कहीं दूसरे व्यक्ति में दिखाई नहीं देती। आज स्वामी जी के नेतृत्व में निकली सैकड़ों आर्य संन्यासियों व वानप्रस्थियों की फौज आपको कहीं दूसरी जगह दिखाई नहीं देगी। उसके पीछे मात्र एक ही कारण है पिछले लम्बे समय तक आर्य विद्वानों व आर्य संन्यासियों की उपेक्षा की जाती रही परन्तु स्वामी आर्यवेश जी ने सभी को सम्मान दिया। पिछले लगभग कुछ वर्षों में 15 वरिष्ठ संन्यासियों का अभिनन्दन, लगभग 30 वैदिक विद्वानों का स्वागत, भजनोपदेशकों का मान–सम्मान आर्य विदुषी बहनों के सम्मान की परम्परा भी स्वामी आर्यवेश जी ने प्रारम्भ की। यह आवश्यक भी था जब तक किसी के कार्यों का अभिनन्दन ना हो तो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा नहीं मिलती।

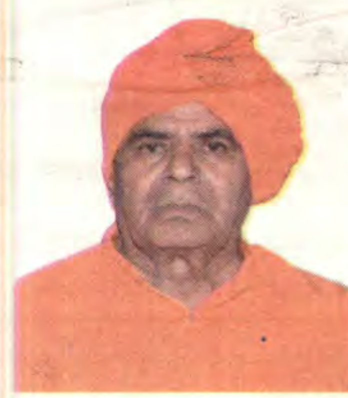

पिछले दिनों में स्वामी जी द्वारा किए गये कार्य एक नया इतिहास बना रहे हैं। वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा के माध्यम से आयोजित विभिन्न स्थानों पर इतने कार्यक्रम मैंने अपने जीवन में प्रथम बार देखे हैं। हम परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि स्वामी जी को उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें ताकि आर्य समाज का कार्य तेजी से बढ़ता रहे।

– स्वामी चन्द्रवेश, अध्यक्ष शम्भू दयाल वैदिक संन्यास आश्रम गाजियाबाद एवं आचार्य स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली, रोहतक (हरि.)

सार्वदेशिक सभा द्वारा राहत कार्य प्रारम्भ
नेपाल के भूकम्प पीड़ितों की दिल खोलकर सहायता करें

नेपाल में आये भयंकर भूकम्प से हुए जानमाल के नुकसान से आप भली–भांति परिचित ही होंगे। 25 अप्रैल को दोपहर 11.45 बजे 7.9 तीव्रता के ताकतवर भूकम्प के कारण नेपाल में जब पृथ्वी ने कांपना प्रारम्भ किया और जो तांडव शुरू किया उससे नेपाल देश का अधिकांश भाग विनाश की चपेट में आ गया। जगह–जगह मकान, पेड़–पौधे गिर गये और संचार माध्यम ठप पड़ गया। नेपाल की ऐतिहासिक धरोहरें तथा बड़ी–बड़ी बिल्डिगें ताश के महल की तरह धराशाई हो गई। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भूकम्प कितना भीषण तथा विनाशकारी था। इस प्रलयंकारी भूकम्प के कारण नेपाल में जन–जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है तथा कई हजार लोगों की जीवन लीला समाप्त हो गई है तथा हजारों लोग अपना घर–बार तथा अपना सब कुछ गंवा चुके हैं। घायलों की स्थिति और भी ज्यादा खराब है। भूकम्प का समाचार प्राप्त होते ही सार्वदेशिक सभा के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आहूत की गई और राहत कार्यो के लिए चर्चा की गई। तत्काल नेपाल में काठमांडू स्थित आर्य समाज के माध्यम से पीड़ितों को राहत पहुँचाने का निर्णय लिया गया। नेपाल में दूर–दराज के इलाकों में जहां सब कुछ नष्ट हो गया है और वहाँ पर अभी तक कोई दल राहत के लिए नहीं पहुँचा है ऐसे स्थानों पर राहत पहुँचाने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

आर्य समाज मानवता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहा है। पूर्व में आये विभिन्न दैवीय प्रकोपों में आर्य समाज ने प्रशंसनीय राहत कार्य किया है। इस बार भी नेपाल में आये इस प्राकृतिक आपदा में पीड़ित मानवता को सहायता प्रदान करने के लिए सार्वदेशिक सभा ने बड़े पैमाने पर प्रयास प्रारम्भ कर दिये हैं तथा एक राहत दल नेपाल जाने के लिए तत्पर है।

सार्वदेशिक सभा ने देश की समस्त आर्य जनता से प्रार्थना की है कि पीड़ितों की सहायतार्थ वे आगे आयें और अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम चैक/ड्राफ्ट अथवा मनीआर्डर द्वारा सीधे सार्वदेशिक सभा कार्यालय "दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2 के पते पर भेजें। जिससे भूकम्प प्रभावित लोगों को सहायता तथा राहत पहुँचाई जा सके। आर्य समाज इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं में सदा ही अग्रणी रहा है। इस पुण्य कार्य हेतु आप सदैव की भांति इस आपदा में भी अधिक से अधिक सहयोग राशियाँ भिजवा कर सार्वदेशिक सभा के राहत कार्यों में सहयोग प्रदान करेंगे। जो कार्यकर्ता भूकम्प पीड़ित राहत कार्यों में सहयोग देना चाहते हैं उनका भी स्वागत है वे सभा कार्यालय में सम्पर्क करें।

आपके द्वारा दिया गया सहयोग पीड़ितों के लिए बहुत बड़ा सम्बल होगा।

स्वामी आर्यवेश
प्रधन

प्रो. विट्ठलराव आर्य
मंत्री

पं. माया प्रकाश त्यागी
कोषाध्यक्ष

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

ई मेल :– sarvadeshikarya@gmail.com, sarvadeshik@yahoo.co.in, aryavesh@gmail.com

दूरभाष :– 011–23274771, 23260985

संस्कृता स्त्री पराशक्तिः — ओ३म् — संस्कारी स्त्री परम शक्ति है

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, स्वामी इन्द्रवेश फाउण्डेशन एवं महिला समता मंच के संयुक्त तत्वावधान में कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर

महर्षि दयानन्द सरस्वती

स्वामी इन्द्रवेश

दिनांक : 6 जून से 12 जून 2015 तक

स्थान : स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ (आश्रम), ग्राम-टिटौली, जिला-रोहतक (हरियाणा)

आशीर्वाद : स्वामी आर्यवेश, प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली

500 कन्याएं भाग लेंगी

कन्याओं को चरित्र, नैतिकता, साहस, स्व-सुरक्षा एवं संयम की भावनाओं से ओत-प्रोत करने के लिए शिविर में अधिक से अधिक कन्याओं को भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

शिविर में विशेष

- राष्ट्रीय भावना, अनुशासन, नैतिक शिक्षा तथा परोपकार की शिक्षा दी जाएगी।
- उच्च कोटि की व्यायामाचार्यों द्वारा योगासन, प्राणायाम, जूडो कराटे आदि शारीरिक एवं आत्म रक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- वैदिक विद्वानों द्वारा सन्ध्या, यज्ञ, आर्य संस्कृति व वैदिक सिद्धान्तों पर चर्चा
- चर्चित महिलाओं द्वारा जीवन में सफलता के गुर सिखाए जायेंगे।
- व्यक्तित्व विकास, वक्तृत्व कला एवं आत्म विश्वास के विकास का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

आवश्यक नियम व निर्देश

- इच्छुक छात्राएं 100 रुपये प्रवेश शुल्क सहित अपना प्रवेश पत्र अपने माता-पिता या विद्यालय के प्राचार्य द्वारा अनुमोदित कराकर 5 जून, 2012 तक प्रान्तीय कार्यालय में जमा करवा दें।
- वेशभूषाः- सफेद सूट, सफेद जुराब, सफेद जूते, केसरिया दुपट्टा, ट्रैक-पैंट, टी-शर्ट, ऋतु अनुकूल बिस्तर, कापी, पैन, टार्च आदि साथ लाएं।
- कोई भी कीमती सामान अपने साथ न लाएं।
- अनुशासन का पालन आवश्यक होगा।
- भोजन की व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क रहेगी।

निवेदक

कु. पूनम आर्या
शिविराध्यक्ष

श्रीमती सुनीता आर्या
सह-संयोजक
9416817794

कु. प्रवेश आर्या
संयोजक
9416630916

प्रबन्ध समिति : कु. रीकू आर्या (रोहतक), कु. विकास आर्या (रोहतक), कु. मंजू आर्या, जगमतिमलिक कैथल, कु. शशि आर्या (रोहतक), राजबाला आर्या, कु. सोनिया व विनिता, सुषमा आर्या, सुमन आर्या, मुकेश आर्या, संगीता आर्या, पूजा आर्या, इन्दू आर्या, किरण आर्या, ज्योति, सुनीता, कीर्ति आर्या, रीमा आर्या, पूनम आर्या।

र्यालय : स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, ग्राम-टिटौली, जिला-रोहतक (हरियाणा), email : yuvakparishad@gmail.com

पृष्ठ–1 का शेष

आर्य समाज में नव–जीवन की आशा बनकर आये हैं स्वामी आर्यवेश जी – स्वामी चन्द्रवेश

आज भारत माँ, जननी माँ, गाय माता का अस्तित्व खतरे में है – बहन प्रवेश आर्या

जन–चेतना यात्रा का सफल संयोजन तथा आर्य समाज के इतिहास में सर्वप्रथम 1200 कन्याओं का आवासीय शिविर लगाना भी स्वामी आर्यवेश जी के पुरुषार्थ का परिणाम है। 2007, 2008, 2010, 2011, 2013 व 2015 में निकाली गई जन चेतना यात्राएं अपने आपमें कीर्तिमान हैं। प्रधान पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद स्वामी जी अब तक लगभग 800 कार्यक्रमों (सम्मेलन, बैठकें, यज्ञ, जन–चेतना यात्राएँ आदि) के माध्यम से जन सम्पर्क कर चुके हैं। रात–दिन ऋषि के मिशन के प्रति इतना समर्पण सहज में स्वामी जी की ऋषि भक्ति को दर्शाता है। स्वामी जी ने पदभार सम्भालते ही अपने संक्षिप्त उद्बोधन में तीन संकल्प रखे थे। आर्य समाज की एकता, वेद भाष्य प्रकाशन व आर्य समाज में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना। स्वामी जी ने आर्य एकता के लिए अपनी ओर से पूरी ताकत लगा रखी है। स्वामी जी सभी पक्षों से निरन्तर मिल रहे हैं तथा एकता के लिए प्रयासरत हैं। स्वामी जी ने दो महीने के अन्दर ही वेदों का हिन्दी भाष्य प्रकाशित करवाया और सबसे कम कीमत पर उपलब्ध करवाया। युवाओं व आम जनता को आर्य समाज से जोड़ने के लिए जन–सम्पर्क अभियान तेज किया। हरियाणा के 21 जिलों की जन–चेतना यात्रा पलवल से चण्डीगढ़ तथा उसके उपरान्त छः प्रान्तों की 12 दिवसीय वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा उसी विचार का मूर्तरूप है।

वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा

आर्य समाज के प्रवर्तक महर्षि दयानन्द द्वारा सन् 1867 में कुम्भ मेले के अवसर पर जिस जगह पाखण्ड–खण्डिनी पताका फहराई गई थी उसी हरिद्वार की ऐतिहासिक भूमि पर स्थित वैदिक मोहन आश्रम में आर्य समाज के दिग्गज नेता व वरिष्ठ संन्यासी 13 अप्रैल को एकत्रित हुए। यह वही स्थान था जहाँ से सर्वप्रथम महर्षि ने पाखण्ड–खण्डिनी पताका फहराकर देश में धर्मिक पाखण्ड के विरुद्ध नये युग की शुरुआत की थी। इसी ऐतिहासिक भूमि पर बुराईयों भारत छोड़ों के संकल्प को पूरा करने के लिए स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में आर्य समाज के वरिष्ठ संन्यासियों एवं नेताओं ने एक हुंकार भरी। यहीं से सामाजिक बुराईयों यथा गौ–हत्या, नशाखोरी, कन्या भ्रूण हत्या, धार्मिक अन्धविश्वास एवं अश्लीलता के विरुद्ध वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर यज्ञ के उपरान्त पाखण्ड खण्डिनी पताका के सामने प्रतिज्ञा करके साधु, संन्यासियों, वानप्रस्थियों व नैष्ठिक ब्रह्मचारियों का काफिला ऋषि दयानन्द के मिशन को पूरा करने के लिए होशंगाबाद के लिए रवाना हुआ। सभी जानते थे कि सफर लम्बा है। 12 दिन हैं। 200 के लगभग जनसभाओं में शामिल होना है। परन्तु ऋषि की प्रेरणा सभी के अन्दर जोश बनकर हिलोरे मार रही थी। इस यात्रा में जहाँ 80 वर्षीय वयोवृद्ध संन्यासी पूज्य स्वामी चन्द्रवेश जी शामिल रहे, वहीं 77 वर्षीय स्वामी दिव्यानन्द जी के अतिरिक्त छोटे–छोटे ब्रह्मचारियों का हौसला भी देखते ही बनता था। यात्रा उद्घाटन के अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी यतीश्वरानन्द जी (विधायक हरिद्वार), देवेन्द्र पाल वर्मा (प्रधान आर्यप्रतिनिधि सभा उ. प्र.), स्वामी धर्मेश्वरानन्द (मंत्री, आर्य प्रतिनिधि सभा उ. प्र.), डॉ. धीरज सिंह (कोषाध्यक्ष आर्य प्रतिनिधि सभा उ. प्र.), स्वामी चन्द्रवेश जी, श्री गोविन्द सिंह भण्डारी (प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड), श्री वीरेन्द्र पंवार (प्रधान, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, उत्तराखण्ड), बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या (बेटी बचाओ अभियान) आदि ने अपने विचार रखे। तथा अपने मजबूत संकल्प एवं बुलन्द हौसले के साथ आगे की ओर कदम बढ़ायें।

यात्रा में गाड़ियों का काफिला

उत्तराखण्ड से शुरू होकर यात्रा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान होती हुई मध्य प्रदेश में नर्मदा के तट पर गुरुकुल होशंगाबाद में अपने बहुत लम्बे व रोमांचकारी यात्रा के अनुभवों के साथ पहुँची विदित हो कि नर्मदा नदी के तट पर महर्षि दयानन्द ने तपस्या की थी तथा काफी समय बिताया था। वहाँ पहुँचने पर गुरुकुल के संचालक व प्रसिद्ध वैदिक विद्वान आर्य संन्यासी स्वामी ऋतस्पति जी व उनके ब्रह्मचारियों ने यात्रियों का भव्य स्वागत किया। सुन्दर आवास एवं भोजनादि की व्यवस्था करके आचार्य श्री सत्य सिन्धु जी ने यात्रियों का आतिथ्य किया। यात्रा के समापन अवसर पर जहाँ अधिकांश यात्रियों ने अपने अनुभव सुनाये वहीं नेताओं ने आगे की रणनीति पर अपने विचार रखे। सभी यात्रियों को स्वामी आर्यवेश जी, देवेन्द्र पाल वर्मा जी, स्वामी दिव्यानन्द जी एवं स्वामी चन्द्रवेश जी द्वारा सार्वदेशिक सभा की ओर से प्रशस्ति पत्र भेंट किये गये।

इस अवसर पर स्वामी जी ने कहा कि यह समापन नहीं बल्कि पड़ाव है। इस वर्ष दिसम्बर तक वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा को लेकर हम देश के कोने–कोने में जायेंगे जिससे देश में व्याप्त बुराईयों को मिटाया जा सके तथा वेद की मान्यताओं के आधार पर नये समाज की स्थापना की जा सके। श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी ने कहा कि अब हमें और ज्यादा ताकत के साथ कार्य को आगे बढ़ाना है।

12 दिवसीय वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा के मुख्य कर्णधार

कन्या भ्रूण हत्या, गौ–हत्या, नशाखोरी, धार्मिक अन्धविश्वास एवं अश्लीलता के विरुद्ध 12 दिवसीय वेद प्रचार जन चेतना यात्रा मुख्य रूप से स्वामी आर्यवेश जी की एक महत्त्वाकांक्षी योजना थी जिसको सफल बनाने में बहुत से महानुभावों ने अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। परन्तु जिन गिने चुने महानुभावों ने इस यात्रा के कर्णधार की भूमिका निभाई उसमें मुख्य रूप से वैदिक विरक्त मण्डल के कार्यकारी प्रधान स्वामी दिव्यानन्द जी (हरिद्वार), संन्यास आश्रम गाजियाबाद (उ. प्र.) के प्रधान स्वा[illegible] चन्द्रवेश जी, देश के सबसे सशक्त राज्य (आ[illegible] समाज की दृष्टि से) उ. प्र. की आर्य प्रतिनि[illegible]

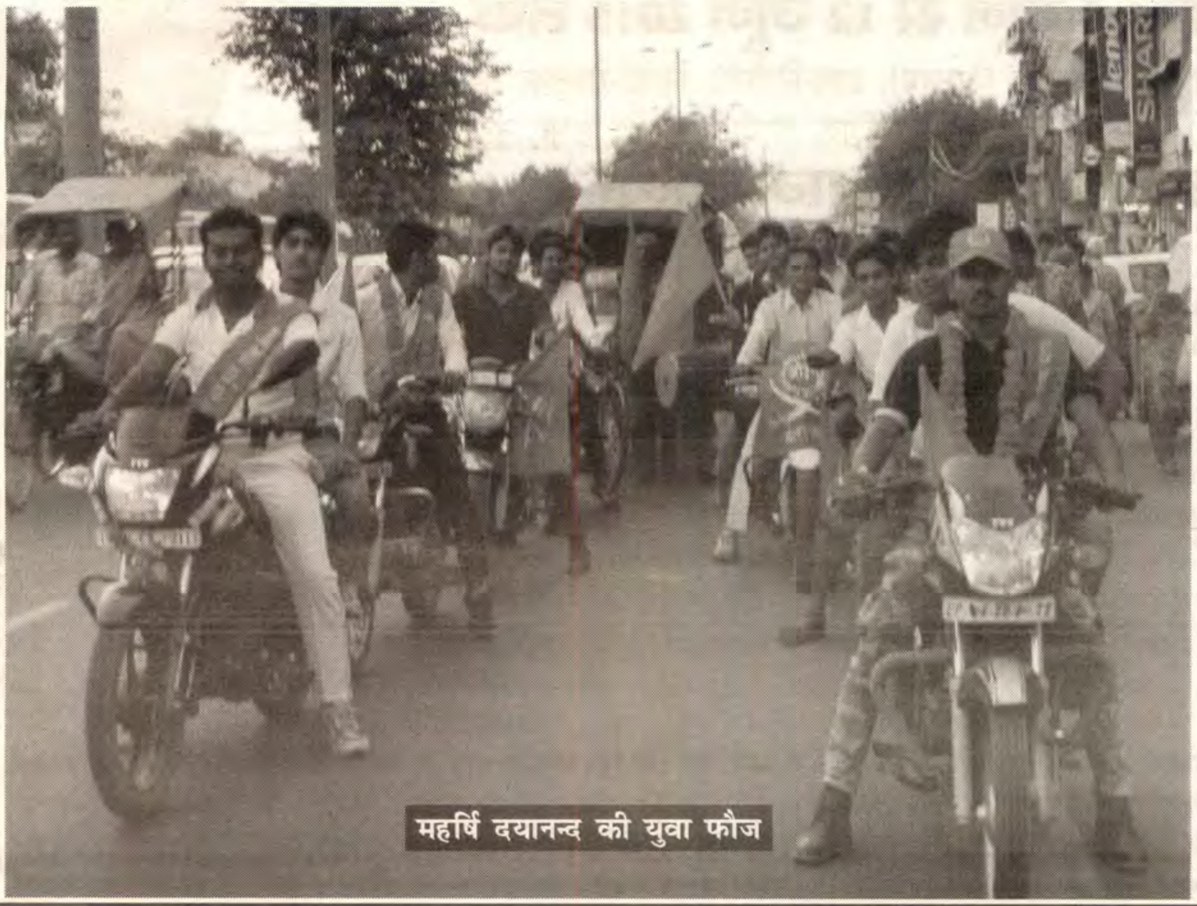
महर्षि दयानन्द की युवा फौज

आर्य समाज में नए युग की शुरुआत हुई वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा से

युवाओं द्वारा स्वामी जी का स्वागत

यशस्वी प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. धीरज सिंह, मंत्री स्वामी धर्मेश्वरानन्द, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के प्रधान ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य, बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन प्रवेश आर्या, राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री बिरजानन्द एडवोकेट, चान्दमल आर्य (राजस्थान आर्य वीरदल), आचार्य सन्तराम, महेन्द्र सिंह शास्त्री, डॉ. अनिल आर्य, श्री रामकुमार सिंह आर्य, श्री रामपाल शास्त्री, स्वामी चेतनानन्द जी (राजस्थान) आदि शामिल रहे।

यात्रा में पूरा समय देकर साथ चलने वाले संन्यासी, वानप्रस्थी एवं आर्यनेता तथा कार्यकर्तागण निम्न प्रकार रहेः–

आर्य संन्यासीगण एवं वानप्रस्थी

स्वामी ब्रह्मवेश जी (पंजाब), स्वामी सत्यवेश जी (शुक्रताल), स्वामी सत्यवेश जी (गाजियाबाद), स्वामी सम्पूर्णानन्द जी (मथुरा), स्वामी धर्मानन्द जी (कौंकेरा), स्वामी धर्मानन्द जी (गौरड़), स्वामी राजेश्वरानन्द जी (दिल्ली), स्वामी शान्तानन्द जी (गंगीरी), स्वामी प्रकाशानन्द जी (मथुरा), स्वामी सोम्यानन्द जी (मथुरा), स्वामी सुकर्मानन्द जी, स्वामी अग्निवेश योगाचार्य, स्वामी नित्यानन्द जी, स्वामी ब्रह्मवेश जी (गुड़गांव), स्वामी कृष्णानन्द जी, स्वामी महानन्द जी (बुलन्दशहर), स्वामी सम्पूर्णानन्द जी (मुरादाबाद), महात्मादेवमुनि जी (बागेश्वर), महात्मा देवमुनि जी (मध्य प्रदेश), महात्मा नन्दमुनि जी, मथुरा, महात्मा सत्यमुनि जी, महात्मा क्षेत्रमुनि जी, महात्मा सम्मान मुनि जी,महात्मा निष्काम मुनि जी, फरीदाबाद, महात्मा आर्यमुनि जी, महात्मा विश्वास मुनि जी, महात्मा आनन्द मुनि जी, महात्मा दयामुनि जी, महात्मा गोपमुनि जी, श्री कमलानन्द जी (चेकोस्लवाकिया)

आर्य नेतागण व कार्यकर्ता

कु. सोनिया आर्या, कु. पूजा आर्या, श्री आजाद सिंह पूनिया जी, श्री किशन लाल आर्य जी, श्री नफे सिंह आर्य जी, श्री हवा सिंह आर्य जी, पं. राजबीर वशिष्ठ जी, डॉ. नारायण सिंह जी, मा. रणधीर सिंह जी, श्री श्यामलाल आर्य जी, ब्र. सहसरपाल आर्य जी, श्री लोकेश कुमार जी, श्री गजराज सिंह जी, श्री ब्रह्मप्रकाश आर्य जी, श्री जयसिंह आर्य जी, श्री रणसिंह आर्य जी, ब्र. कन्हैया जी, ब्र. मोहित आर्य जी, श्री सोमदेव आर्य जी, श्री धर्मेन्द्र पहलवान जी, श्री अरविन्द आर्य जी (पूठ), ब्र. आनन्द आर्य जी, ब्र. धर्मप्रिय आर्य जी, ब्र. मनीष आर्य जी, ब्र. मिलन आर्य जी, ब्र. निशान्त आर्य जी, ब्र. अरविन्द जी (गाजियाबाद), श्री राकेश कुमार जी, श्री राजू कुमार जी, श्री सुनील कुमार जी, श्री सतीश कुमार जी, श्री रविन्द्र कुमार जी, श्री गाँधी सिंह जी, श्री देव कुमार जी, श्री श्याम सिंह जी, श्री सहदेव सिंह बेधड़क (भजनोपदेशक)।

अत्यधिक व्यस्त रहा यात्रा का 12 दिवसीय कार्यक्रम

यह 12 दिवसीय वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा प्रान्तीय सभाओं, जिला सभाओं, स्थानीय आर्य समाजों एवं विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से बेहद रोचक, उत्साहवर्धक एवं सफल रही। हालांकि कार्यक्रम बहुत ज्यादा होने के कारण व्यस्तता अधिक रही। यात्रा के रूट पर जिनको भी पता चला उन्होंने ही यात्रा के स्वागत के कार्यक्रम निश्चित कर लिए। परिणामस्वरूप कई कार्यक्रमों में 2 से 3 घण्टे देरी से यात्रा पहुंची। परन्तु आर्यों का जोश देखते ही बनता था। लोग बड़ी उत्सुकता के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए थे। यात्रा का शुभारम्भ 13 अप्रैल, 2015 को प्रातः वैदिक मोहन आश्रम, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से यज्ञ के उपरान्त हुआ। यहाँ समस्त व्यवस्थाएँ आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड, आर्य युवक परिषद् उत्तराखण्ड एवं वैदिक मोहन आश्रम की ओर से की गई। इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी यतीश्वरानन्द जी, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी, डॉ. धीरज सिंह जी, श्री गोविन्द सिंह भण्डारी जी, श्री दयाराम काण्डपाल, श्री किशन सिंह वृक्षप्रेमी, श्री प्रकाश कार्की, श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, डॉ. मानपाल, श्री दिनेश आर्य, श्री प्रकाशचन्द्र सैनी, डॉ. वीरेन्द्र पंवार जी, बहन पूनम आर्या व बहन प्रवेश आर्या सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यहाँ की व्यवस्था में प्रिं. धनीराम, व्यवस्थापक वैदिक मोहन आश्रम राजीव शास्त्री, प्रेम प्रकाश शर्मा आदि ने विशेष सहयोग किया। उसके बाद यात्रा का स्वागत ज्वालापुर महाविद्यालय के ब्रह्मचारियों द्वारा किया गया। आर्य वानप्रस्थ आश्रम में भी स्वामी आर्यवेश जी का व्याख्यान हुआ तथा सभी वानप्रस्थियों ने अपनी शुभकामनायें देकर यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया। फिर यात्रा देश के ऐतिहासिक योग स्थल पातंजलि योग पीठ हरिद्वार में पहुँची। जहाँ स्वामी रामदेव जी के विदेश में होने के कारण डॉ. यशदेव शास्त्री के निर्देशन में आचार्य रमेश ने योग पीठ के सैकड़ों जीवनव्रती ब्रह्मचारियों के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया तथा भव्य सभागार में संकल्प का कार्यक्रम चला। यहाँ दोपहर का भोजन करने के बाद यात्रा रूड़की पहुँची। यहाँ से भगवानपुर, घुटमलपुर होती हुई सहारनपुर शहर में जिला कारागार के सामने चौक पर जिला सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यात्रा पहुंची जहाँ पर हरपाल सिंह आर्य के नेतृत्व में योगेन्द्रपाल, श्याम सिंह, देवेन्द्र कुमार, दीपक आर्य (घुटमलपुर), अशोक आर्य, नरेन्द्र देव आर्य आदि ने जिला उपसभा की ओर से स्वागत किया। सैकड़ों की भीड़ ने संकल्प भी लिया। यहाँ से गंगोह होते हुए यात्रा बढेड़ी नांगल पहुँची जहाँ हेमन्त आर्य, ओमवीर आर्य, विजयपाल आर्य, विनोद आर्य आदि के नेतृत्व में स्वागत हुआ। यहाँ से यात्रा उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक स्थल देवबन्द पहुंची। जहाँ कुछ समय के लिए यह शहर ऋषि दयानन्द के जयकारों से गूंज उठा। चौराहे के निकट पेट्रोल पम्प पर जिला आर्य सभा के अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। श्री नकुलदेव, रामप्रताप एडवोकेट, डॉ. अतर सिंह, सुरेश कुमार, अमरीश आर्य आदि ने व्यवस्था सम्भाली। इसके बाद यात्रा पहले दिन के अन्तिम पड़ाव मुजफ्फरनगर पहुँची। जहाँ पर स्वयं श्री देवेन्द्रपाल वर्मा जी, श्री विजय गुप्ता, श्री कस्तूरी सिंह स्नेही, श्री ओमपाल सिंह, आचार्य

स्वामी दयानन्द के नन्हें सिपाही

आर्य समाज में नए युग की शुरुआत हुई वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा से

साहिबाबाद में कार्यक्रम

गुरुदत्त आर्य, मा. मनोचा आदि ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। देर रात तक भी सैकड़ों की उपस्थिति ने यात्रियों का हौसला बढ़ाया।

मंच संचालन उ. प्र. सभा के मंत्री स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी ने किया। रात्रि पड़ाव आर्य समाज मंदिर में हुआ। भोजनादि की व्यवस्था भी आर्य समाज द्वारा करवाई गई।

प्रातः यज्ञ करने के उपरान्त मुजफ्फरनगर में जुलुस निकालने के बाद यात्रा काकड़ा ग्राम के पंचायत घर में पहुंची जहाँ पर कार्यक्रम की तैयारियाँ राम कुमार सिंह आर्य ने पहले ही करवा रखी थी। उसके बाद यात्रा शाहपुर के आर्य एकेडमी में पहुँची जहां सैकड़ों छात्र एवं छात्राओं को बहन पूनम ने संकल्प दिलवाया। डॉ. सत्यवीर आर्य एवं सुघोष आर्य ने व्यवस्था संभाली। शाहपुर शहर के चौराहे पर वैदिक विद्वान डॉ. वेदपाल वर्मा जी के निवास पर भी स्वागत हुआ। ग्राम सडब्बर में भी स्वागत हुआ। शाहपुर से यात्रा बुढ़ाना में पहुंची जहां प्रान्तीय सभा के उपप्रधान श्री अरविन्द जी पूरी तैयारी में लगे हुए थे। सैकड़ों प्रबुद्धजनों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। यहाँ दोपहर का भोजन करने के बाद यात्रा भड़ल होते हुए दाहा चौगामा में प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रवीर राणा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंची जहाँ पर पूरे इलाके के वरिष्ठ लोगों ने यात्रा के विचार सुने। यहां पर पप्पू पहलवान, योगेन्द्र, देवेन्द्र, सोमपाल आर्य, इन्द्रपाल आर्य, बारू सिंह तथा सत्यवीर सिंह ने व्यवस्था सम्भाली। यहाँ के बाद यात्रा जनता इण्टर कालेज पलड़ी में पहुंची जहां व्यायाम शिक्षक अरूण आर्य व माधव आर्य के साथ रामगोपाल आर्य ने व्यवस्था संभाली विदित हो कि यह गांव सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह द्वारा गोद लिया हुआ है। पलड़ी से यात्रा ऐतिहासिक गुरुकुल बरनावा पहुंची जहां पर आचार्य विनोद व उनके साथियों ने यात्रा का स्वागत किया। गुरुकुल से यात्रा जोहड़ी होते हुए अपने दूसरे दिन के अन्तिम पड़ाव सिरसली पहुंची जहाँ पर ग्राम प्रधान सत्यवीर फौजी ने सैकड़ों प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति में स्वागत किया। रात्रि का भोजन बहुत शानदार रहा तथा गांव में शहर जैसी सुविधाएं यात्रियों को उपलब्ध करवाई। जोहड़ी में श्री प्रमोद चौधरी व गजराज सिंह ने यात्रा का स्वागत किया।

सिरसली में प्रातः यज्ञ के ऊपर ग्रामीणों को संकल्प दिलवाया गया। यहाँ से यात्रा गुरुकुल इण्टरनेशनल स्कूल जिवाना पहुंची जहां पर हजारों छात्र एवं छात्राओं ने यात्रियों का महर्षि दयानन्द की जय के नारों से स्वागत किया। प्रो. बलजीत सिंह आर्य, अनिल कुमार व प्रधानाचार्य राजीव खोखर जी ने समस्त कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। सहदेव बेधड़क के गीतों ने समा बाँध दिया। इसके बाद यात्रा इलाके के प्रसिद्ध शिक्षा स्थल जाट वैदिक कॉलेज, बड़ौत पहुंची जहां पर प्रधान वीरेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में पूरी समिति व प्राचार्य व उनके पूरे स्टाफ ने भव्य स्वागत किया। सैकड़ों प्रबुद्धजनों ने संकल्प लिया। प्रि. यशवीर सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। यहां के बाद बड़ौली में पूर्व प्रधान सोहन पाल सिंह आर्य के घर पर दोपहर का भोजन था। भोजनोपरान्त यात्रा जैन धर्मशाला, जोहड़ी मोड़, बागपत में पहुंची जहां यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। जुलूस के रूप में यात्रा कार्यक्रम स्थल तक ले जाई गई। कार्यक्रम का संयोजन राकेश आर्य ने किया। अमरजीत आर्य ने व्यवस्था संभाली। इस कार्यक्रम में आर्य समाज, व्यापार मण्डल, विश्व हिन्दु परिषद्, बजरंग दल आदि ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। बागपत में मंच संचालन राकेश आर्य ने किया। बागपत से ग्राम काठा में देवेन्द्र, ग्राम टीला में अजय, ग्राम लोनी में ओमेन्द्र आर्य आदि के नेतृत्व में शानदार स्वागत एवं कार्यक्रम आयोजित किये गये। रात्रि को 7 से 9 बजे तक आर्य केन्द्रीय सभा व जिला सभा के तत्वावधान में आर्य समाज राजनगर में भव्य कार्यक्रम किया गया जिसमें श्री श्रद्धानन्द शर्मा, पं. माया प्रकाश त्यागी, सुनील गर्ग, बीर सिंह चौधरी, मा. ज्ञानेन्द्र आर्य, तेजपाल आर्य, सत्यवीर चौधरी व प्रवीण आर्य आदि का सहयोग रहा। रात्रि विश्राम शम्भुदयाल संन्यास आश्रम गाजियाबाद में स्वामी सत्यवेश के संयोजन में रहा।

वीरवार, 16 अप्रैल, 2015, को "वेद प्रचार जनचेतना यात्रा" का दिल्ली पहुंचने पर बार्डर पर अभूतपूर्व स्वागत केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के सैकड़ों आर्य युवकों ने किया। परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, महामन्त्री श्री महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य, रामकुमार सिंह, यशोवीर आर्य, विकास गोगिया, सन्तोष शास्त्री, जवाहर भाटिया, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य आदि अधिकारी पूरे उत्साह के साथ अभिनन्दन के लिए खड़े प्रतीक्षा कर रहे थे। पहला स्वागत आर्य समाज वृन्दावन गार्डन ने किया, प्रमोद चौधरी, सुरेश आर्य, के. के. यादव, यज्ञवीर चौहान, पूरे जोश के साथ जुटे हुए थे। दिल्ली आर्य समाज दिलशाद गार्डन ने नाश्ते की सुन्दर व्यवस्था की, सुरेश मुखीजा, अरूणा मुखी ने मोर्चा सम्भाल रखा था। शिक्षक सदन सूरजमल विहार में यशोवीर आर्य के कुशल संचालन में भव्य प्रबन्ध रहा। पार्षद महेन्द्र आहुजा ने संयोजन किया। किशनगंज पर वैद्य इन्द्रदेव आजाद मार्केट में पं. अखिलेश भारती, ओम सपरा, गोपाल जैन, कमल आर्य, रामबाग रोड पर देवेन्द्र आर्य, प्रताप नगर में केवलकृष्ण सेठी, गुलशन राय, संजीव आर्य व बिरला लाईन्स में सुधीरचन्द घई, राज कुमार चौधरी, कुंवरपाल शास्त्री, शक्ति नगर में आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, हरिसिंह चौहान, वजीरपुर में भूदेव आर्य, रामहेत आर्य, वीरेश आर्य, संतोष शास्त्री व अशोक विहार में जीवनलाल आर्य, राममेहर सिंह, देवेन्द्र भगत, शालीमार बाग में पार्षद ममता नागपाल, अमित नागपाल, डॉ. ओम प्रकाश मान, अमित मान, मधुर प्रकाश, डॉ. सुमन गुप्ता, डॉ. महेश विद्यालंकार, पीतमपुरा में सुलेख अग्रवाल, सुषमा अरोड़ा, विशाखा एन्क्लेव में सुनील आर्य, ओम प्रकाश गुप्ता, सत्यप्रकाश आर्य, प्रशान्त विहार में कृष्णचन्द पाहुजा, सोहनलाल मुखी, अन्जू जावा, रोहिणी में सुरेन्द्र गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता, उर्मिला आर्या, सैनिक विहार में माता कृष्णा सपरा, सोनल सहगल, रानी बाग में सुरेश आर्य, दुर्गेश आर्य, सुदर्शन वर्मा, यज्ञदत्त आर्य, शकूर बस्ती में राजकुमार शर्मा, पुरी जी, मैथिली, योगेन्द्र शर्मा, पंजाबी बाग में रमेश गिरोत्रा, रवि चड्ढा ने संयोजन किया तथा रमेश नगर आर्य समाज पहुंच कर सम्मेलन हुआ, जिसकी अध्यक्षता श्री वेद प्रकाश ने की व कुशल संचालन प्रधान नरेन्द्र आर्य सुमन ने किया। सत्यपाल नारंग, नरेश विज, हीरा लाल चावला, सुभाष वधवा, नरेन्द्र ढींगरा ने लंगर व्यवस्था सम्भाली।

शुक्रवार, 17 अप्रैल को प्रातः गुरुकुल गौतमनगर

पातन्जलि योगपीठ हरिद्वार में उपस्थित आर्यजन

वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा के दौरान स्वामी आर्यवेश जी एवं श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी विशेष सहयोगियों को सम्मानित करते हुए

टी. टी. नगर भोपाल (म. प्र.)

अम्बा (म. प्र.)

गुरुकुल होशंगाबाद

गुरुकुल गौतमनगर (दिल्ली

आगरा (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली

जाट कॉलेज बड़ौत (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली

दिल्ली

(उत्तर प्रदेश)

नया बाजार ग्वालियर

विदिशा (म. प्र.)

कोसी कलां (उत्तर प्रदेश)

दाहा (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली

गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ

सागर (म. प्र.)

बुढाना (उत्तर प्रदेश)

सुल्तानपुर (म. प्र.)

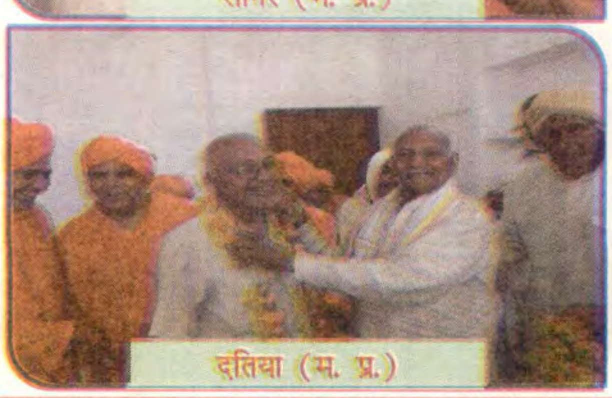
दतिया (म. प्र.)

गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ

वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा की विभिन्न प्रान्तों के कार्यक्रमों की झलकियाँ

गंज बासौदा (म. प्र.)

गुरुद्वारा प्रतापनगर (दिल्ली)

मध्य प्रदेश

दिल्ली

मध्य प्रदेश

दिल्ली

दिल्ली

मध्य प्रदेश बोर्डर

सागर

दिल्ली

मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)

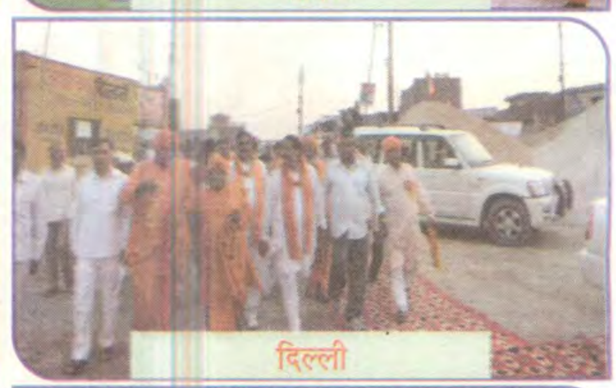
दिल्ली

टीला (गाजियाबाद)

पलड़ी (उत्तर प्रदेश)

होडल

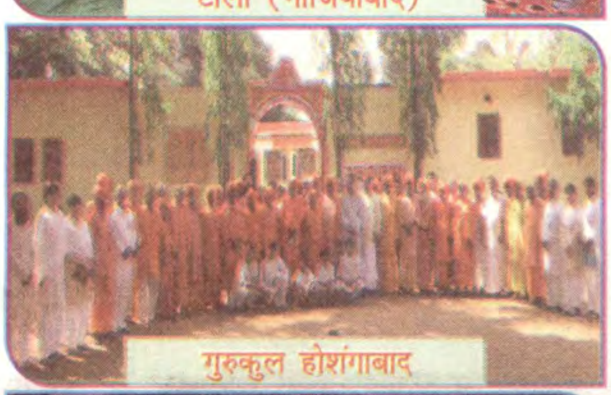
गुरुकुल होशंगाबाद

होशंगाबाद

सिरसली (उत्तर प्रदेश)

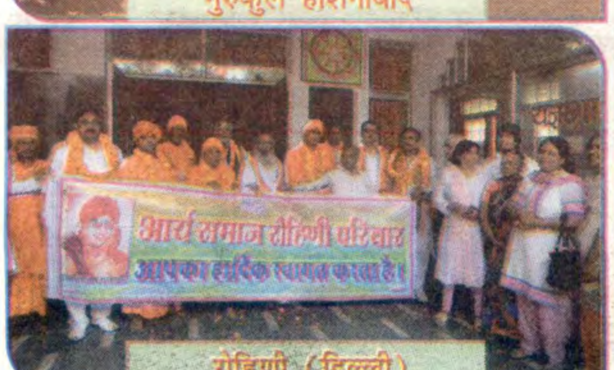

रोहिणी (दिल्ली)

पातन्जलि योगपीठ (हरिद्वार)

बहेड़ी नागल (उत्तर प्रदेश)

वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में सम्बोधित करते हुए आर्य नेतागण

स्वामी आर्यवेश जी

श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी

श्री प्रभाशंकर तिवारी जी

श्री सहदेव बेधड़क जी

पं. माया प्रकाश त्यागी जी

स्वामी सत्यवेश जी

बहन पूनम आर्या जी

श्री सी. पी. बघेल जी

स्वामी कमलानन्द जी

श्री गोविन्द भण्डारी जी एवं डॉ. वीरेन्द्र पंवार जी

स्वामी आर्यवेश जी व स्वामीधर्मेश्वरानन्द जी

स्वामी आर्यवेश जी के साथ श्री गोपाल राय जी

नन्हीं प्रतिभाएँ

बहन पूनम आर्या व प्रवेश आर्या

संकल्प लेते छात्र

मीडिया से रूबरू

जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत (उत्तर प्रदेश)

शाहपुर (उत्तर प्रदेश)

वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा के दौरान स्वामी आर्यवेश जी एवं श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी विशेष सहयोगियों को सम्मानित करते हुए

दिल्ली

मुरैना (म. प्र.)

डबरा (म. प्र.)

धौलपुर (राजस्थान)

पलवल (हरियाणा)

दतिया (म. प्र.)

दिल्ली

दिल्ली गुरुद्वारा

कालका जी (दिल्ली)

दिल्ली

बागपत (उत्तर प्रदेश)

झांसी (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली

गुरुकुल जिवाना

बड़ौली (उत्तर प्रदेश)

ग्वालियर

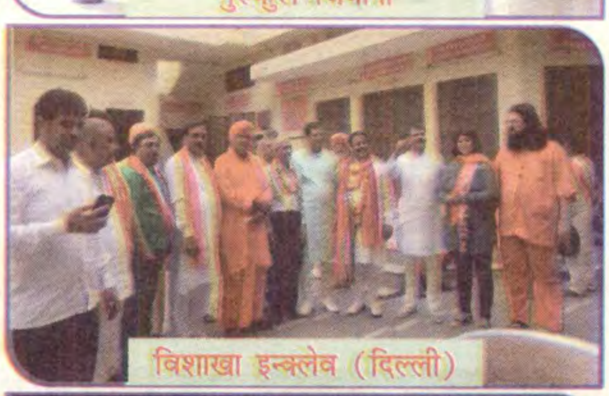
विशाखा इन्क्लेव (दिल्ली)

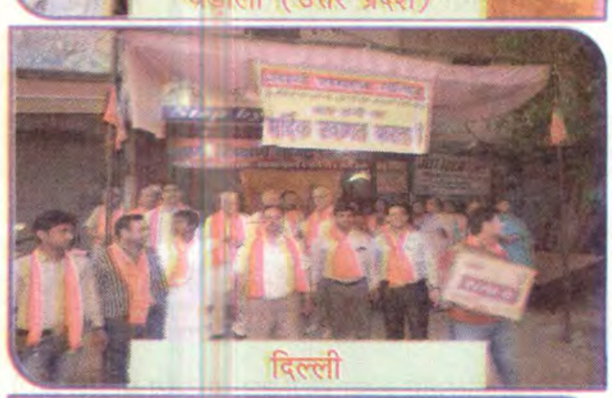
दिल्ली

अमर कॉलोनी (दिल्ली)

औरंगाबाद मितरौल (हरियाणा)

दिल्ली

आर्य समाज में नए युग की शुरुआत हुई वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा से

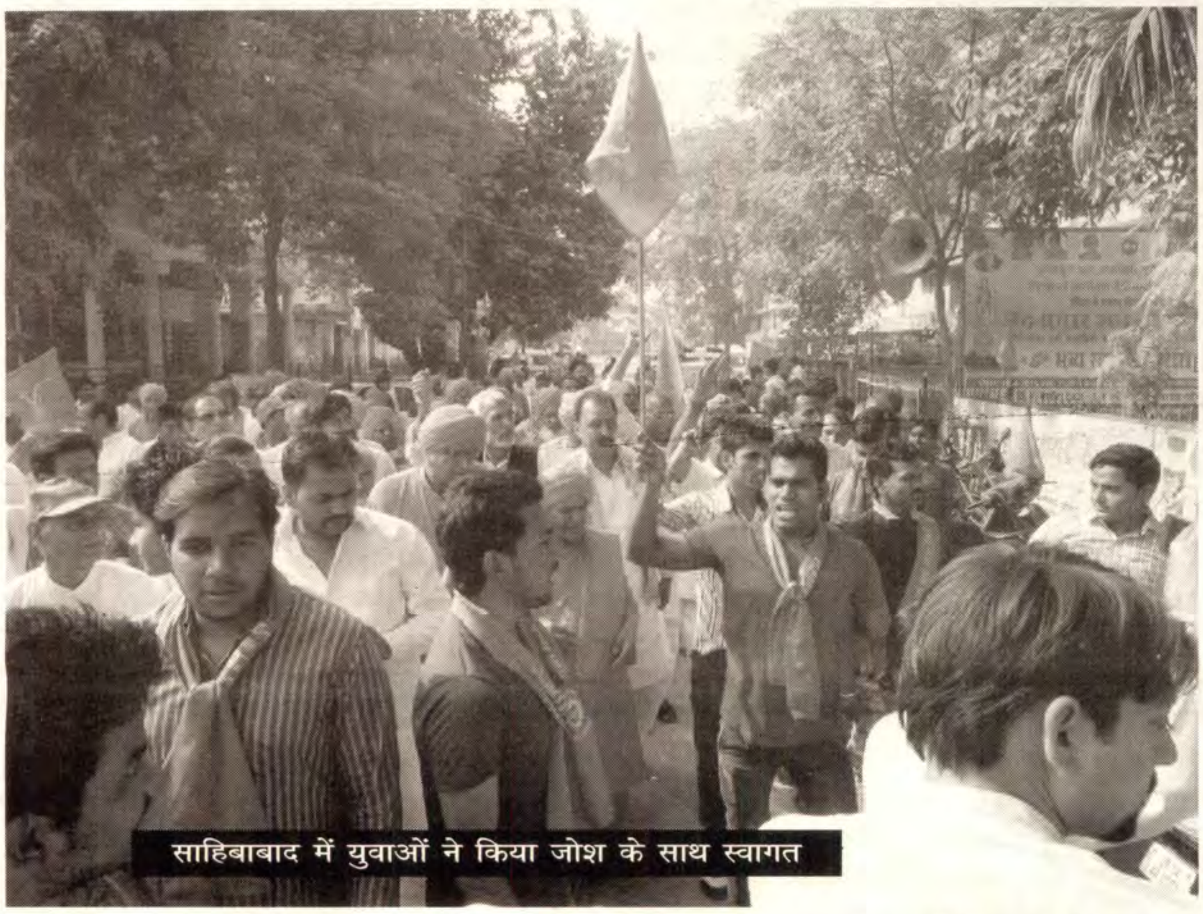

साहिबाबाद में युवाओं ने किया जोश के साथ स्वागत

में यज्ञ व स्वागत समारोह दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल ने किया। स्वामी प्रणवानन्द जी ने अध्यक्षता की व रविदेव गुप्ता, चतरसिंह नागर, प्रकाशवीर शास्त्री ने संयोजन किया।

आर्य समाज मस्जिद मोठ, लाजपत नगर, अमर कालोनी, कालकाजी, सरिता विहार, बदरपुर गुरुद्वारा सिंह सभा, मोलडबन्द विस्तार होते हुए यात्रा दोपहर 1 बजे गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ, फरीदाबाद पहुँची जहाँ प्रीति भोज का सभी ने आनन्द लिया। श्री पी. के. मित्तल, प्रो. श्योताज सिंह, आचार्य ऋषिपाल, सत्यभूषण आर्य एवं ऋषिपाल आर्य ने संयोजन किया। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर दिल्ली सरकार के मंत्री श्री गोपाल राय, पार्षद स्वाति गुप्ता, विधायक सरिता सिंह, कैप्टन अशोक गुलाटी, विनोद बजाज, चतुर्भुज अरोड़ा, डॉ. दिनेश दत्त शर्मा, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार, प्रदीप सवरवाल, पीताम्बरवाली, डॉ. महेश विद्यालंकार, नरेन्द्र आर्य, भूदेव शर्मा, सोहन लाल आर्य, आर्य तपस्वी सुखदेव जी, अवधेश आर्य, सुशील आर्य, सुरेन्द्र शास्त्री, जितेन्द्र डाबर, रमेश गाड़ी, रविकान्त अरोड़ा, श्याम सिंह यादव आदि ने भव्य स्वागत अभिनन्दन किया। गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ के बाद योगधाम फरीदाबाद में भव्य कार्यक्रम किया गया जिसका संयोजन श्री राम खिलावन आर्य ने किया।

फरीदाबाद के बाद यात्रा बल्लभगढ़ होते हुए पलवल पहुंची जहां पर यात्रा का अभूतपूर्व स्वागत हुआ। समस्त आर्य नेता व कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बनता था। यहाँ पर प्रो. जयप्रकाश आर्य, वी. के. आर्य, डॉ. धर्मप्रकाश आर्य, जितेन्द्र आर्य, नन्दलाल कालड़ा, नारायण सिंह, चन्द्रपाल आर्य, सुरेन्द्र आर्य, दिनेश आर्य, सुशील शास्त्री आदि ने जोरदार कार्यक्रम आयोजित करवाया। मुख्य संयोजन जवाहर नगर आर्य समाज व केन्द्रीय सभा का रहा जिसका मुख्य संयोजन प्रो. जय प्रकाश आर्य ने किया। यहाँ से यात्रा औरंगाबाद भितरौल पहुंची जहां पर अनेक गणमान्य महानुभावों मुख्यरूप से श्री सिमरन सिंह पटवारी, श्री चन्द्र आर्य, लक्ष्मण सिंह, गिरराज नम्बरदार, ठाकुर लाल आर्य सहित समस्त आर्य कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। फिर होडल में नेतराम शास्त्री व हेतराम गर्ग ने स्वागत करवाया डॉ. क्षेत्रपाल ने पुस्तक वितरण किया। फिर यात्रा को होडल से कोसी कलां के सैकड़ों कार्यकर्ता मोटर साईकिलों से अगुवाई कर कोसी कलां में लेकर गए। यहाँ शानदार व अविस्मरणीय कार्यक्रम रहा। पहले प्रधान शरद आर्य जी के घर पर जलपान फिर पूरे कस्बे में जन चेतना यात्रा फिर आर्य समाज मंदिर में कार्यक्रम हुआ। श्री मनोज शास्त्री आदि ने व्यवस्था संभाली व महावीर सिंह आर्य, वीरेन्द्र आर्य कोंकेरा आदि ने संयोजन किया।

मथुरा पहुंचते-पहुंचते काफी देर हो चुकी थी। कुछ लोग वापिस चले गए थे परन्तु कुछ फिर भी इन्तजार कर रहे थे। यहां पर कार्यक्रम होने के बाद यात्रा सीधे आगरा पहुंची। यहां जो हुआ वो सब अविस्मरणीय था। यात्रा लगभग 3 घण्टे देरी से लगभग 12 बजे पहुंची। परन्तु रमाकान्त सारस्वत व उनके साथियों के हौंसले व कर्मठता की दाद देनी पड़ेगी। इतनी देरी के बावजूद सैकड़ों कार्यकर्ता वहां उपस्थित मिले। यात्रियों को भोजन करवाने के उपरान्त रात्रि विश्राम माथुर वैश्य भवन में हुआ। प्रातः यज्ञ का कार्यक्रम भी यहीं हुआ। उसके पश्चात् आर्य समाज जयपुर हाऊस में सभा का आयोजन शहर में शोभा यात्रा निकालने के बाद हुआ। यहां पर पूर्व सांसद एस. पी. सिंह बघेल ने भी स्वागत किया। जिला सभा के अधिकारियों ने भी व्यवस्था को ठीक बनवाने में सहयोग किया। सुशील विद्यार्थी, अर्जुनदेव महाजन, सत्यदेव गुप्ता, विजय अग्रवाल, डॉ. विद्या सागर, अरविन्द मेहता, राजकुमारी आर्या, डॉ. वीरेन्द्र आदि ने रमाकान्त सारस्वत जी के नेतृत्व में शानदार कार्यक्रम आयोजित किया। आगरा के पश्चात् राजस्थान के ऐतिहासिक शहर धौलपुर के 1935 में निर्मित पुस्तकालय में पहुंचे जहां पर आर्य समाज, पातंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान के कार्यकर्ताओं ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में लाजपत शर्मा, वेद प्रकाश आर्य, शारदा देवी आर्या, शशि पाराशर, गीता बघेल आदि का विशेष सहयोग रहा। धौलपुर से निकलने के बाद चम्बल नदी के किनारे आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य भारत के समस्त पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश के प्रवेश अवसर पर डॉ. लक्ष्मण दास आर्य प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, मध्य भारत के नेतृत्व में श्री जयनारायण, श्री केशव सिंह, तथा मुरैना आर्य समाज के कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद मुरैना में आर्य समाज के मंत्री जी अनेकों कार्यकर्ताओं को लेकर उपस्थित थे। उन्होंने अत्यन्त अल्प समय में फलाहार तथा जलपान के उपरान्त आकर्षक बनाये गये मंच पर सभा का आयोजन किया। इसके बाद मुरैना शहर में से होते हुए यात्रा देश की आजादी के महानायक पं. रामप्रसाद बिस्मिल की जन्म भूमि अम्बाह पहुँची, जहाँ पर आर्य समाज की ओर से डी. ए. वी. विद्यालय प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर पं. राम प्रसाद बिस्मिल को याद कर पूरा वातावरण भावुकता भरा रहा। यहाँ के बाद नया बाजार आर्य समाज ग्वालियर पहुँचे। जहां पर यात्रा का भव्य स्वागत सभा के अधिकारियों के अतिरिक्त स्थानीय आर्य समाज के अधिकारियों ने किया। श्री जितेन्द्र पाल सिंह ने संयोजन किया। यहाँ पर रात्रि निवास, आवास एवं भोजन की व्यवस्था सुन्दर रही। ग्वालियर में प्रातः यज्ञ के उपरान्त यात्रा डबरा में पहुँची जहां श्री ओम प्रकाश भदौरिया, प्रधान आर्य समाज डबरा ब्रह्मस्वरूप शर्मा, राजेश सचदेव के नेतृत्व में स्वागत हुआ। दतिया में डॉ. मलखान सिंह प्रधान के नेतृत्व में स्वागत किया गया तथा जलपान की सुन्दर व्यवस्था की गई थी। तदुपरान्त दतिया होती हुई यात्रा झांसी में पहुँची। सी. पी. बाजार आर्य समाज झांसी में यात्रा का स्वागत का कार्यक्रम हुआ। यहाँ पर शहर की समस्त आर्य समाजों ने भाग लिया। देवसिंह आर्य, गुरु प्रसाद साहू, रामनाथ साहू, विशाल चौरसिया,

आर्य समाज में नए युग की शुरुआत हुई वेद प्रचार जन-चेतना यात्रा से

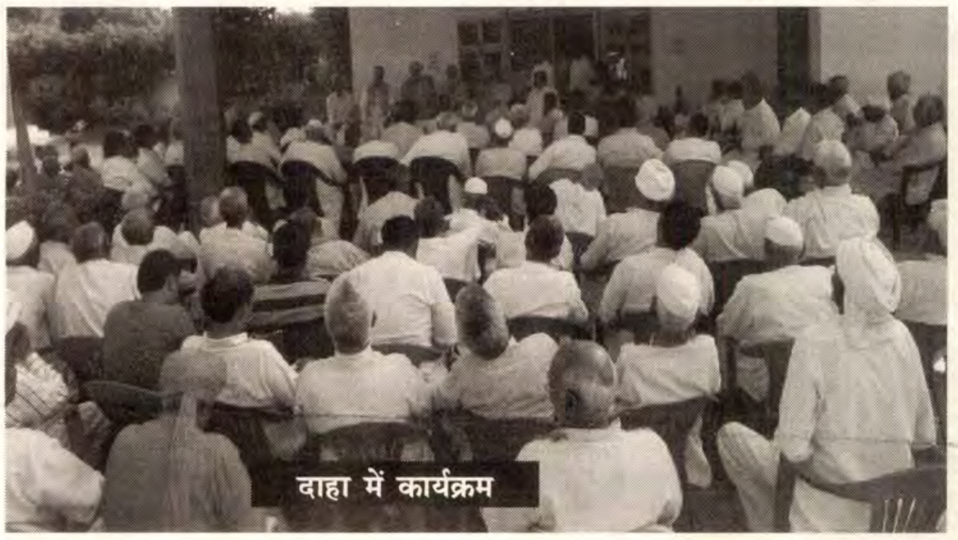

दाहा में कार्यक्रम

चन्द्र प्रकाश आर्य आदि ने व्यवस्था सम्भाली। यहाँ से यात्रा ललितपुर होते हुए रात्रि पड़ाव के लिए आर्य समाज सागर में पहुँची जहां पर प्रधान अजय केसरवानी के नेतृत्व में भव्य स्वागत, रात्रि विश्राम एवं भोजन की सुन्दर व्यवस्था की गई थी। प्रातः यज्ञ श्री प्रमोद पाठक जी प्रधानाचार्य एवं धर्माचार्य ने करवाया उसके बाद भव्य सभा का आयोजन हुआ। आर्य समाज के समस्त अधिकारियों ने पूरी ताकत के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। यहाँ कार्यक्रम बेहद आकर्षक रहा। सागर के बाद यात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। यहां से बीना और बीना के बाद आर्य समाज गंज बासौदा में कार्यकर्ताओं ने यात्रा को जुलूस में परिवर्तित कर दिया। आगे-आगे ओ३म् के झण्डों के साथ घुड़सवार, फिर विद्यार्थी, फिर संन्यासियों का काफिला बहुत ही आकर्षक दृश्य रहा पूरा नगर यात्रा के स्वागत में सड़कों पर उमड़ पड़ा।

यहाँ के पश्चात् यात्रा विदिशा में पहुँची। जहाँ आर्य समाज में भव्य स्वागत एवं सभा का कार्यक्रम चला। उसके पश्चात् आर्य नेता श्री सीताराम जी आर्य एवं उनके सुपुत्र विधायक सूर्य प्रकाश मीणा जी के फार्म हाऊस पर भोजन करने के उपरान्त सभी यात्रियों को शाल देकर सम्मानित किया गया तथा यात्रा को पूर्ण समर्थन की घोषणा की। भोजन के उपरान्त यात्रा आर्य समाज महावीर नगर, भोपाल पहुंची। रात्रि विश्राम के पश्चात् प्रातः यज्ञ के उपरान्त सभा का आयोजन हुआ। महावीर नगर आर्य समाज के बाद टी. टी. नगर जहाँ भव्य व आकर्षक आर्य समाज मंदिर है वहां पर पूर्व सभा प्रधान श्री दलवीर राघव जी ने स्वामी जी का स्वागत किया। आर्य समाज टी. टी. नगर से यात्रा सुल्तानपुर पहुंची जहां पर महात्मा देव मुनि के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों के साथ पूरे सुल्तानपुर में जुलूस निकाला गया, ऋषि दयानन्द के जयकारों से गुंज उठा सारा सुल्तानपुर। फिर लाला मिष्ठान भण्डार पर महात्मा जी ने दोपहर के भोजन की जबरदस्त व्यवस्था की हुई थी। विभिन्न प्रकार के मिष्ठान व विभिन्न प्रकार की तरकारी, सुन्दर भोजन करवाया, कार्यक्रम अविस्मरणीय रहा। यहां जनसभा करने के पश्चात् यात्रा बाड़ी में पहुँची जहां पर प्रथम तो बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया श्री अरूण साहू ने संयोजन किया। फिर स्वामी निर्भयानन्द के आश्रम की नींव रखकर यात्रा अपने यात्रा के अन्तिम पड़ाव महर्षि दयानन्द की तपस्थली नर्मदा के तट पर स्थित गुरुकुल होशंगाबाद में पहुँची जहां पर स्वामी ऋतस्पति जी के नेतृत्व में ब्रह्मचारियों एवं पदाधिकारियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। जैसे ही गुरुकुल के ब्रह्मचारियों द्वारा बोले गए वेद मंत्र सबके कानों में पड़े तो ऐसा लगा मानो पिछले दस दिन की थकान भाग गई हो। रात्रि विश्राम व भोजन की शानदार व्यवस्था की गई थी। प्रातः यज्ञ के पश्चात् नाश्ता फिर समापन समारोह का आयोजन किया गया। आचार्य सत्यसिन्धु जी व उपाचार्य उमेश कुमार शास्त्री ने सभी का स्वागत किया। नई योजनाएं बनी स्वामी आर्यवेश जी ने सारी व्यवस्था के लिए जहाँ स्वामी ऋतस्पति जी का धन्यवाद किया वहीं सभी सहयोगियों का भी धन्यवाद किया। उत्तर प्रदेश सभा के प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा, स्वामी दिव्यानन्द, स्वामी चन्द्रवेश, स्वामी चेतनानन्द, महेन्द्र सिंह शास्त्री, बहन प्रवेश सहित कई नेताओं ने अपना उद्बोधन एवं अनुभव भी रखा। दोपहर यहाँ से वापिस दिल्ली के लिए रवाना हुए तथा रात्रि में डॉ. सुरेन्द्र गोस्वामी (प्रसिद्ध शिक्षाविद्) के अर्धनिर्मित अस्पताल के प्रांगण में ग्वालियर में तथा प्रातः यज्ञ के उपरान्त सीधे मथुरा आकर यहाँ पर श्री एच. पी. एस. परिहार के परिसर में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। श्री महावीर सिंह आर्य, श्री सोहन लाल आर्य ने संयोजन किया। भोजन के बाद सभी विदा हो गये अपने-अपने स्थान की ओर इस संकल्प के साथ कि दयानन्द के सपनों का राष्ट्र हमें बनाना है।

सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री श्री रामसिंह जी की पत्नी श्रीमती पुष्पा आर्या का निधन

सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री तथा जोधपुर राजस्थान के कर्मठ कार्यकर्ता श्री रामसिंह जी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा आर्या का 4 मई, 2015 को आकस्मिक निधन हो गया, वे 57 वर्ष की थीं।

श्रीमती पुष्पा आर्या एक अत्यन्त धार्मिक महिला थीं और अपने पति श्री रामसिंह जी के क्रिया-कलापों में सहभागी रहा करती थी। ज्ञातव्य हो कि अभी दो माह पूर्व श्री रामसिंह जी के पिता जी का भी निधन हो गया था।

श्रीमती पुष्पा जी का अन्तिम संस्कार हजारों लोगों की उपस्थिति में पूर्ण वैदिक रीति से किया गया।

श्रीमती पुष्पा जी की स्मृति में 6 मई, 2015 को 6.30 बजे गोलनाड़ी उम्मेद चौक, जोधपुर में शोकसभा का आयोजन किया गया जिसमें सार्वदेशिक सभा के प्रधान-स्वामी आर्यवेश जी, कार्यकारी प्रधान-श्री सत्यव्रत सामवेदी जी, श्री दलपत सिंह आर्य-जालौर, श्री चांदमल जी आर्य, श्री विरजानन्द जी, श्री भंवर लाल जी आर्य सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति तथा हजारों की संख्या में आर्यजन तथा पारिवारिक लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन में जीवन मृत्यु, सुख-दुःख तथा वेद आदि शास्त्रों के उदाहरण देते हुए श्री रामसिंह जी को अल्प समय में हुए दोहरे आघात से त्राण दिलाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राम सिंह जी आर्य समाज के लिए मिसाल हैं उनका कर्मठता पूर्ण जीवन और आर्य समाज के लिए समर्पण से सभी लोग परिचित हैं। लेकिन कुछ माह पूर्व उनके पिता जी का निधन और उसके बाद पत्नी का चला जाना वास्तव में एक गहरा आघात है। पूरा आर्य जगत् इस कठिन समय में उनके साथ है। स्वामी जी ने कहा कि जीवन के साथ मृत्यु एक अटल सत्य है। मृत्यु तो शरीर परिवर्तन है और आत्मा अमर है। यह प्रकृति का नियम है कि जो आया है वह जायेगा अवश्य। स्वामी जी ने कहा कि मृत्यु का शासन दो

बेटियों ने दी माँ को मुखाग्नि

जोधपुर | भीतरी क्षेत्र में सोमवार को एक महिला की मृत्यु होने पर उनकी दो बेटियों ने मुखाग्नि दी। बेटियों ने वेद मंत्रोच्चार के बीच शुद्ध घृत व औषधियुक्त हवन सामग्री के साथ अंतिम संस्कार में आहुतियां दीं। उम्मेद चौक निवासी रामसिंह आर्य की पत्नी पुष्पा का गोलनाड़ी की बावड़ी में चुग्गा डालने के दौरान फिसलने से मृत्यु हो गई। उनकी शवयात्रा नागौरी गेट कागा श्मशान गई। मां को बेटी मनीषा पंवार व हिमांशी ने मुखाग्नि दी। इस दौरान वेद मंत्रोच्चार के बीच अंतिम संस्कार हुआ।

पैर वालों पर भी चलता है और चार पैर वालों पर भी चलता है।

यदि जीवन मृत्यु के रहस्य को व्यक्ति जान ले तो फिर उसके दुःख, भय अपने आप दूर हो जायें। आँखे खुलना जीवन के समान है और नींद आ जाना मृत्यु सदृश है। मृत्य शब्द का अर्थ है किसी का किसी से अलग होना। "मृङ् प्राण त्यागे" इस धातु से मृत्यु शब्द बना है। वेद कहते हैं कि हे बालक! त्वं आत्मा असि, मा गृथाः। तू शरीर नहीं आत्मा है आत्मा अमर है मृत्यु से डर मत। स्वामी जी ने कहा कि मृत्यु से वह व्यक्ति नहीं डरता जो कर्त्तव्यों को सुन्दर ढंग से निभाता है। अपना अच्छा जीवन व्यतीत करता है। स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य को चाहिए कि वह सत्कर्म, सत्संग, स्वाध्याय, सेवा, संतोष इन पांच का पालन करें क्योंकि जीवात्मा का सच्चा साथी धर्म एवं सत्कर्म है। दुनिया में आया है अकेला और जाना भी अकेला ही पड़ेगा। स्वामी जी ने कहा कि आज का इंसान दूसरे की मौत पर तो आंसू बहाता है परन्तु अपनी मौत के बारे में सोचता नहीं, स्वामी जी ने कहा कि जीवन और मृत्यु को रात और दिन के.सदृश कहा जाता है यह सभी जानते हैं कि दिन काम करने के लिए और रात आराम करने के लिए होती है। जिस प्रकार दिन में काम करते समय उसका अन्तःकरण मन बुद्धि आदि और वाह्यकरण, हाथ-पांव, आँख आदि इन्द्रियाँ सभी थक कर काम करने के योग्य नहीं रह जाते और शक्ति का ह्रास होने पर रात्रि में आराम करता है सोता है, तब सभी अंग प्रत्यंग शान्त और पुरुषार्थ रहित हो जाते हैं और वह पुनः शक्ति अर्जित कर लेता है इसी प्रकार जीवन और मृत्यु का क्रम चलता रहता है। राम सिंह जी आर्य हैं और उन्होंने वैदिक ग्रन्थों का स्वाध्याय किया है अतः वे शीघ्र ही अपने इस कष्ट से बाहर निकलेंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा के विशिष्ट सहयोगियों का आभार

अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक विरक्त मण्डल एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में 13 अप्रैल से 23 अप्रैल, 2015 तक आयोजित ऐतिहासिक वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा की सफलता के लिए तन–मन–धन से सहयोग करने वाली प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं, जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभाओं, आर्य समाजों, आर्य युवक संगठनों, अन्य सामाजिक संस्थाओं एवं गणमान्य महानुभावों का हम हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। यदि उनका सहयोग न मिलता तो यह अभियान इतना प्रभावशाली न हो पाता। धन्यवाद की इस श्रृंखला में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश एवं सभा के यशस्वी प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी एवं सभा के कोषाध्यक्ष डॉ. धीरज सिंह जी न केवल प्रारम्भ से लेकर समापन तक यात्रा में पूरा समय साथ चले और स्थान–स्थान पर सभाओं को सम्बोधित किया बल्कि सभा की दो गाड़ियाँ तथा कई कार्यकर्ता भी यात्रा हेतु प्रदान किये। उन्हीं की प्रेरणा से सभा के मंत्री स्वामी धर्मेश्वरानन्द, सभा के उपप्रधान श्री अरविन्द कुमार, सभा के उपमंत्री श्री हरपाल सिंह आर्य का विशेष सहयोग रहा। आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड एवं सभा प्रधान श्री गोविन्द सिंह भण्डारी एडवोकेट, सभा मंत्री श्री दयाराम काण्डपाल तपोवन आश्रम देहरादून के मंत्री श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, वैदिक मोहन आश्रम हरिद्वार के प्रबन्धक प्रिं. धनीराम जी, आर्य समाज हरिद्वार के प्रबन्धक डॉ. वीरेन्द्र पंवार, युवा संन्यासी स्वामी यतीश्वरानन्द जी विधायक, पातंजलि योग पीठ एवं डॉ. यशदेव शास्त्री, डॉ. चन्द्रवीर सिंह राणा, प्रो. बलजीत सिंह आर्य, ब्रह्मचारी रामफल, प्रधान आर्य युवक परिषद्, उत्तर प्रदेश, श्री सत्यवीर सिंह फौजी, प्रधान ग्राम सिरसली, श्री वीरेन्द्र पाल सिंह प्रधान जनता वैदिक कॉलेज प्रबन्ध समिति बड़ौत, मा. सोहन पाल सिंह आर्य बड़ौली, श्री राकेश आर्य बागपत, श्री अजय आर्य टीला, श्री ओमेन्द्र आर्य लोनी, श्री श्रद्धानन्द शर्मा, पं. माया प्रकाश त्यागी, श्री ज्ञानेन्द्र आर्य, श्री सुनील गर्ग, श्री वीर सिंह चौधरी, श्री प्रवीण आर्य, श्री सत्यवीर चौधरी, श्री तेजपाल आर्य, स्वामी सत्यवेश (गाजियाबाद), श्री प्रमोद चौधरी, श्री सुरेश आर्य, वैद्य इन्द्रदेव आर्य, श्री यशोवीर आर्य, श्री अखिलेश भारती, श्री के. के. सेठी, श्री प्रेमपाल शास्त्री, दिल्ली सभा के प्रधान डॉ. ओम प्रकाश मान, श्री रवि चढ्डा, श्री नरेन्द्र सुमन, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, श्री चतरसिंह नागर, श्री प्रेम कुमार मित्तल, श्री राम खिलावन, प्रो. जय प्रकाश आर्य आदि के अतिरिक्त केन्द्रीय आर्य युवक

परिषद् एवं परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेन्द्र भाई, प्रान्तीय प्रभारी श्री राम कुमार सिंह आर्य के योगदान की जितनी प्रशस्ति की जाये उतनी कम है। श्री रामकुमार सिंह आर्य ने हरिद्वार से पलवल तक निरन्तर एक सप्ताह लगाकर जो परिश्रम किया उसके लिए विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद, पलवल, आगरा आदि में यात्रा के भव्य स्वागत एवं अनेक कार्यक्रमों के आयोजन में डॉ. अनिल आर्य जी के अथक पुरुषार्थ के लिए उनका व परिषद् के समस्त सक्रिय साथियों का सहयोग सदैव स्मरण रहेगा। आगरा के लौह पुरुष श्री रमाकान्त सारस्वत हमारे ऐसे सहयोगी हैं जिनका कोई सानी नहीं उनके नेतृत्व में आगरा के समस्त आर्यों ने पलक पावणे बिछाकर जो स्वागत किया उसके लिए हृदय से आभार, मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के कर्मठ प्रधान डॉ. लक्ष्मणदास आर्य, मंत्री श्री केशव सिंह तोमर व उनके समस्त सहयोगियों ने मध्य प्रदेश में यात्रा के पड़ावों व कार्यक्रमों की जो शानदार व्यवस्था की उसके लिए कोटिशः धन्यवाद, मध्य प्रदेश विदर्भ आर्य प्रतिनिधि सभा के पूर्व प्रधान श्री लक्ष्मी नारायण भार्गव प्रधान डॉ. प्रभाशंकर तिवारी, महात्मा देवमुनि, पूर्व मंत्री श्री जयनारायण आर्य एवं गुरुकुल होशंगाबाद के संचालक व सभा के पूर्व प्रधान स्वामी ऋतस्पति जी महाराज ने यात्रा को सफल बनाने में अपनी पूरी शक्ति झोंक दी थी। श्री लक्ष्मी नारायण भार्गव जी की निष्ठा एवं आर्य समाज के लिए मिशनरी भावना निःसन्देह एक उदाहरण बन चुकी है। स्वास्थ्य ठीक न होते हुए भी उनका अदम्य साहस हम सभी को प्रेरणा देने वाला है। यात्रा में सर्वश्री दलबीर सिंह राघव पूर्व प्रधान मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री सीताराम आर्य एवं श्री सूर्य प्रकाश मीणा विधायक विदिशा, श्री कन्हैयालाल कामदार प्रधान आर्य समाज महावीर नगर, भोपाल, श्री अजय केसरवानी, प्रधान आर्य समाज सागर, श्री सुरेन्द्र गोस्वामी ग्वालियर आदि का भी उल्लेखनीय सहयोग मिला, अतः सभी के प्रति विशेष आभार। यहाँ पर वैदिक विरक्त मण्डल के कार्यकारी प्रधान स्वामी दिव्यानन्द जी महाराज व समस्त विरक्त महानुभावों का भी धन्यवाद ज्ञापित करना मेरा कर्त्तव्य है क्योंकि इन सभी के कारण यात्रा विशेष शोभायमान रही। यात्रा में जिन–जिन महानुभावों ने सहयोग दिया है और भूलवश किसी के भी नाम का उल्लेख न हो पाया हो उन सभी के प्रति क्षमा याचना के साथ विनम्र भाव से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में यह उत्साह इसी प्रकार बना रहे और हम सभी मिलकर आर्य समाज का कार्य करते रहें।

– स्वामी आर्यवेश, प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा के दौरान स्वामी आर्यवेश जी विशेष सहयोगियों को सम्मानित करते हुए

स्वामी दिव्यानन्द जी का सम्मान करते हुए

श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी का सम्मान करते हुए

श्री धीरज सिंह का सम्मान करते हुए

यात्रा के दौरान स्वामी जी के साथ प्रो. श्योताज सिंह जी

स्वामी ऋतस्पति जी का सम्मान करते हुए

श्री संतोष आर्य जी का सम्मान करते हुए

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन युवा निर्माण शिविरों का विवरण

1. **व्यायाम शिक्षक प्रशिक्षण शिविर**
सोमवार 25 मई से शनिवार 30 मई, 2015 तक
स्थान – स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक (हरि.)
सम्पर्क – ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य – 9354840454

2. **प्रान्तीय आर्य युवा निर्माण शिविर**
रविवार 31 मई से शनिवार 5 जून, 2015 तक
स्थान – सी. ए. वी. स्कूल हिसार (हरियाणा)
सम्पर्क – ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य – 9354840454
दलबीर आर्य–9416489210, देवेन्द्र सैनी–9416041582

3. **आर्य युवा निर्माण शिविर गुड़गांव**
शुक्रवार 29 मई से बुधवार 3 जून, 2015 तक
स्थान – गुड़गांव, हरियाणा
सम्पर्क – महेन्द्र सिंह शास्त्री – 8053662657

4. **आर्य युवा निर्माण शिविर पलवल**
सोमवार 8 जून से रविवार 14 जून, 2015 तक
स्थान – न्यू डी. पी. एस. पब्लिक स्कूल,
न्यू कालोनी पलवल
सम्पर्क – स्वामी श्रद्धानन्द–9416267482, 8053355496

5. **आर्य युवा निर्माण शिविर महम (रोहतक)**
रविवार 7 जून से शनिवार 13 जून, 2015 तक
स्थान – महम (रोहतक)
सम्पर्क – डॉ. सीसराम आर्य –9255746742

6. **राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर**
शनिवार 6 जून से शुक्रवार 12 जून, 2015 तक
स्थान – स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ,
आश्रम टिटौली, जिला–रोहतक (हरि.)
सम्पर्क – प्रवेश आर्या – 9416630916

7. **आर्य युवा निर्माण शिविर**
रविवार 7 जून से शनिवार 13 जून, 2015 तक
स्थान – ऋषिकुल पब्लिक स्कूल, नरवाना रोड, जींद
सम्पर्क – अशोक आर्य – 8295533911

8. **आर्य युवा निर्माण शिविर जयपुर**
रविवार 14 जून से रविवार 21 जून, 2015 तक
स्थान – अग्रसेन भवन, मालवीय नगर, जयपुर
सम्पर्क – यशपाल 'यश'

9. **आर्य युवा निर्माण शिविर**
रविवार 7 जून से शनिवार 13 जून, 2015 तक
स्थान – राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
राजौन्द, कैथल
सम्पर्क – जयपाल आर्य – 9466952305

10. **आर्य युवा निर्माण शिविर**
रविवार 7 जून से शनिवार 13 जून, 2015 तक
स्थान – राजकीय उच्च विद्यालय हड़ौदी, भिवानी
सम्पर्क – श्री हरपाल हैप्पी – 9813599989

11. **कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर**
सोमवार 25 मई से शनिवार 30 मई, 2015 तक
स्थान – एम. डी. एन. स्कूल आदर्श नगला,
बड़ौत, बागपत
सम्पर्क – शिवकुमार आर्य – 9997763213

12. **आर्य युवा निर्माण शिविर, बड़ौत**
शनिवार 13 जून से मंगलवार 19 जून, 2015 तक
स्थान – जनता वैदिक इण्टर कॉलेज बड़ौत, उ. प्र.
सम्पर्क – श्री रामफल आर्य – 9758210475

13. **कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर**
सोमवार 25 मई से शनिवार 30 मई, 2015 तक
स्थान – राजकीय कन्या उच्च विद्यालय भागवी,
भिवानी (हरि.)
सम्पर्क – चौ. सूबे सिंह पूर्व एस. डी. एम. – 9896374497

14. **आर्य युवा निर्माण शिविर**
शनिवार 13 जून से सोमवार 18 जून, 2015 तक
स्थान – राजकीय उच्च विद्यालय भोराकलां,
मुजफ्फरनगर, उ. प्र.
सम्पर्क – श्री सहसरपाल आर्य – 7500967840

15. **आर्य युवा निर्माण शिविर सोनीपत**
रविवार 7 जून से शनिवार 13 जून, 2015 तक
स्थान – दून वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सोनीपत
सम्पर्क – प्रिं. आजाद सिंह–9466323222

16. **राष्ट्रीय कार्यकर्ता कैप्सूल कैम्प**
सोमवार 22 जून से रविवार 28 जून, 2015 तक
स्थान – आर्य समाज मंदिर, हरिद्वार
सम्पर्क – ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य – 9354840454,
डॉ. वीरेन्द्र पंवार – 8958468764

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत)

हम मस्तों में आन मिले कोई हिम्मत वाला रे

युवा शक्ति को चरित्रवान, देशभक्त, ईश्वर भक्त, संस्कारवान बनाने का अभियान

बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर
शनिवार 6 जून से रविवार 14 जून 2015 तक
स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर 44, नोएडा
सम्पर्क : श्री संतोष शास्त्री - 9868754140, श्री प्रवीन आर्य - 9911404423

2. दिल्ली आर्य कन्या शिविर
रविवार 17 मई से 24 मई 2015 तक
स्थान : आर्य समाज, रमेश नगर, नई दिल्ली
सम्पर्क : उर्मिला आर्या-9711161843, अनीता कुमार-9212645522

3. हापुड़ आर्य कन्या शिविर
सोमवार 1 जून से 7 जून 2015 तक
स्थान : आर्य इन्टर कॉलेज, हापुड़, उ.प्र.
सम्पर्क: आनन्दप्रकाश आर्य- 09837086799, डा. विकास आर्य-9837791132

4. राजस्थान युवक निर्माण शिविर
रविवार 7 जून से 14 जून 2015 तक
स्थान : राठ इन्टरनेशनल स्कूल, एन.एच-8, बहरोड़ (अलवर)
सम्पर्क : आचार्य रामकृष्ण शास्त्री-09887669603, 09461405709

5. फरीदाबाद युवक निर्माण शिविर
रविवार 31 मई से 7 जून 2015 तक
स्थान : राजकीय उच्च, विद्यालय, न.-3, एन.आई.टी. (फरीदाबाद)
सम्पर्क : श्री वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369, मनोज सूमन-9810064899

6. पलवल युवक निर्माण शिविर
सोमवार 8 जून से रविवार 14 जून 2015 तक
स्थान : न्यू डी.पी.एस. पब्लिक स्कूल, न्यू कॉलोनी, पलवल (हरियाणा)
सम्पर्क : स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती-08053355496, 9416267482

7. कैथल युवक निर्माण शिविर
रविवार 31 मई से रविवार 7 जून 2015 तक
स्थान : स्वामी बलेश्वरानन्द आश्रम, बणी, पुण्डरी, कैथल
सम्पर्क : सूर्यदेव आर्य-09416715537, राजपाल बहादुर-

8. जीन्द युवक निर्माण शिविर
रविवार 17 मई से 24 मई 2015 तक
स्थान : महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल, भटनागर कॉलोनी, जीन्द
सम्पर्क : श्रीकृष्ण दहिया-07357777172, योगेन्द्र शास्त्री-09416138045

9. झारखण्ड आर्य कन्या शिविर
सोमवार 25 मई से 31 मई 2015 तक
स्थान : आर्ष कन्या गुरुकुल, हजारी बाग, झारखण्ड
सम्पर्क : कृष्णप्रसाद कोटिल्य-09430309525, पुष्पा शास्त्री-6546263706

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेदिक शिविर
शुक्रवार 22 मई से 29 मई 2015 तक
स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पोड़ी गढ़वाल
सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511

11. जम्मू युवक निर्माण शिविर
रविवार 21 जून से 28 जून 2015 तक
स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू
सम्पर्क : श्री सुभाष बब्बर-09419301915

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर
बुधवार 15 अप्रैल से 21 अप्रैल 2015 तक
स्थान : वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा
सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-09337117429

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर
रविवार 14 जून से 21 जून 2015 तक
स्थान : अग्रसेन भवन, मालवीय नगर, जयपुर
सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248

14. करनाल युवक निर्माण शिविर
बुधवार 17 जून से 21 जून 2015 तक
स्थान : आर्य समाज, प्रेम नगर, करनाल
सम्पर्क : श्री स्वतन्त्र कुकरेजा-09813041360, अजय आर्य-09416128075

15. मध्य प्रदेश युवक निर्माण शिविर
मंगलवार 24 जून से 28 जून 2015 तक, स्थान : आर्य समाज, संचार नगर, इन्दौर
सम्पर्क : आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777, 09977987777

सभी शिविरों के 'समापन समारोह' पर दल बल सहित पहुँचे व तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें

निवेदक

डा. अनिल आर्य	यशोवीर आर्य	रामकुमार सिंह	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9312223472	9868064422	9013137070	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली - 110007, फोन-9868661680
Email: aryayouthn@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

जिनको दयानन्द प्यारा नहीं वो अपने घर बैठें

ऋषि दयानन्द का संघर्षमयी जीवन ही हमारे लिए आदर्श है। उन्होंने अपना पूरा जीवन वैदिक मान्यताओं की स्थापना तथा तत्कालीन समय में फैले आडम्बर, अन्धविश्वास एवं सामाजिक बुराईयों को जड़मूल से खत्म करने के लिए लगा दिया। आज फिर से समस्याएं चारों ओर मुह बाए खड़ी हैं जो लोग सिर्फ नाम के लिए आर्य बने हैं वो अपने घरों में एयर कंडिशन चलाकर बैठे हैं। दयानन्द के सिपाही तो दयानन्द के सपनों को पूरा करने के लिए अपना आराम त्याग कर गली–गली दयानन्द की विचारधारा को लेकर जा रहे हैं। पूरे आर्य जगत को स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी चन्द्रवेश जी व श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी की इस पहल का स्वागत करना चाहिए। मैं अपने दिल से दिल्ली की तमाम उन आर्य समाजों के अधिकारियों व अन्य संस्थाओं के अधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने आगे बढ़कर इस यात्रा को सफल बनाने में अपना सम्पूर्ण सहयोग दिया है।

– डॉ. अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

बहुत दिनों के बाद आर्य समाज को जनता के दुःख दर्द में शामिल होते देखा है

आर्य समाज जनता की समस्याओं के समाधान के लिए गली–गली घूम रहा है। ऐसा पहली बार देखा है कि खुद डॉक्टर मरीज के घर जाकर उनकी बीमारियों का ईलाज करना चाहता है। आज पूरा समाज कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, पाखण्डवाद, अश्लीलता आदि के मकड़जाल में घिरा हुआ है परन्तु भौतिकवाद की चकाचौंध में फंसे हुए व्यक्ति के पास आज इन बातों के लिए समय दिखाई नहीं देता। परन्तु गिरती हुई मानवता बर्बाद होते युवाओं को यदि ठीक करना है तो आर्य समाज में आना पड़ेगा। इस तरह की वेद प्रचार यात्राओं में दिल खोलकर सबको समर्थन देना होगा।

– स्वामी चेतनानन्द, राजस्थान

मध्य प्रदेश व विदर्भ में भी तेज होगा वेद प्रचार जन जागरण अभियान

वेद प्रचार की ज्योति स्वामी आर्यवेश जी मध्य प्रदेश की इस ऐतिहासिक धरती पर लेकर आये हैं। हम इसे बुझने नहीं देंगे बल्कि इसको पूरे इलाके में और तेज करेंगे। मध्य प्रदेश व मध्य भारत विदर्भ की ओर से संयुक्त रूप से पूर्ण योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने का कार्य किया जायेगा। यह कार्यक्रम युवकों के शिविरों तथा जन चेतना कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ाया जायेगा। हम स्वामी जी से आशा रखते हैं कि जब हम यह कार्यक्रम तय करें तो यह उत्साहित करने वाली दयानन्द की पूरी फौज यहाँ आशीर्वाद एवं मार्ग दर्शन देने अवश्य पधारे।

– डॉ. लक्ष्मणदास आर्य, प्रधान मध्य भारत आर्य प्रतिनिधि सभा, डॉ. प्रभा शंकर तिवारी प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य प्रदेश व विदर्भ

जन–जागृति आर्य समाज का मुख्य लक्ष्य

आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य जन–जागरण कर लोगों को बुराईयों से बचाकर उन्हें सन्मार्ग की ओर प्रेरित करना है। इसी कार्य को वर्तमान समय में तेजी दी गई है। इसका चहूँ ओर स्वागत हो रहा है। इसके लिए आर्य समाज का वर्तमान नेतृत्व बधाई का पात्र है। स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में इस जन जागृति अभियान को और तेज करने की आवश्यकता है। दो तरह की टीमें रहें एक जो अपने–अपने प्रदेश में इस मुहिम को जन–जन तक लेकर जाएं। दूसरी जो राष्ट्रीय स्तर पर निरन्तर इन गतिविधियों को और सघन व योजनाबद्ध तरीके से आयोजित करती रहें।

– लक्ष्मी नारायण भार्गव, पूर्व प्रधान मध्य प्रदेश विदर्भ आर्य प्रतिनिधि सभा

मेरा रोम–रोम ऋषि दयानन्द का ऋणी है

आज इस ऐतिहासिक स्थल वैदिक मोहन आश्रम से प्रारम्भ होने वाली यह यात्रा लोगों में जागृति का कार्य करेगी। आज सामाजिक बुराईयों को रोकने के लिए जितना कानून का सख्त होना आवश्यक है उससे भी ज्यादा कारगर जागरूकता अभियान है। महर्षि दयानन्द ने अपने जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया। परन्तु सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध जितनी जोरदार पहल स्वामी दयानन्द जी ने की किसी और ने नहीं की। आज मैं विधायक हूँ पर मैं कह सकता हूँ कि आज जो कुछ हूँ वह महर्षि दयानन्द की देन है। मेरा रोम–रोम ऋषि दयानन्द का ऋणी रहेगा। महर्षि के कार्यों को हम रूकने नहीं देंगे। अपनी पूरी ताकत के साथ वैदिक मान्यताओं की स्थापना व एक सुन्दर आदर्श समाज के नव–निर्माण में अपनी भूमिका अदा करते रहेंगे स्वामी आर्यवेश जी महाराज प्रारम्भ से ही हमारे प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं तथा उनके नेतृत्व में आर्य समाज नई ऊँचाईयों को छूयेगा। स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में प्रारम्भ हो रही इस यात्रा के लिए मैं इक्यावन हजार रुपये देने की घोषणा करता हूँ।

– स्वामी यतीश्वरानन्द, विधायक, हरिद्वार ग्रामीण (उत्तराखण्ड)

युवाओं को नशे से बचाना है तो आर्य समाज से जोड़ो

वर्तमान समय में केवल मात्र आर्य समाज ही ऐसी संस्था है जो पूरी निष्ठा से युवाओं के भविष्य को संवारने में लगी है। चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण के अपने संकल्प के प्रति कटिबद्ध है। नशे के विरुद्ध आर्य समाज ने अपना प्रचण्ड आन्दोलन छेड़ रखा है। आज यदि नौजवानों को नशे की आंधी से बचाना है तो उन्हें आर्य समाज से जोड़ने की आवश्यकता है।

– महेन्द्र सिंह शास्त्री उपमंत्री, सार्वदेशिक सभा, नई दिल्ली

आर्य युवक परिषद् पूरी ताकत के साथ जन–चेतना के इस अद्भुत प्रयास में सहयोग करेगी

आर्य समाज के सबसे सशक्त युवा संगठन सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् की पूरी टीम पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं ताकत के साथ स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में चलने वाले इस जन–चेतना अभियान को अपना समर्थन देती है। परिषद् के सैकड़ों कार्यकर्ता अब इस कार्य में जुटेंगे। परिषद् को जो जिम्मेदारी दी जायेगी परिषद् उससे पीछे नहीं हटेगी।

– विरजानन्द एडवोकेट, महामन्त्री, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद

कुछ समय पूर्व उत्तराखण्ड के सभी जिलों में निकाली गई जन–चेतना यात्रा के बाद उत्तराखण्ड में बलि प्रथा व माँस के खुले वितरण पर रोक लगी

पिछले दिनों वैदिक विरक्त मण्डल एवं आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में तथा स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में लगभग 50 संन्यासियों की एक टोली ने उत्तराखण्ड में बलिप्रथा, माँसाहार एवं नशाखोरी के विरुद्ध वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में निकाली। यात्रा के समापन पर राज्यपाल को ज्ञापन भी सौंपा। उसका परिणाम भी जल्द ही आया और माँसाहार के खुले वितरण एवं पशुबलि पर प्रदेश में प्रतिबन्ध लगा। ये आर्य समाज की बहुत बड़ी जीत हैं। इसलिए हम सौभाग्यशाली हैं कि यह यात्रा भी उत्तराखण्ड से प्रारम्भ हो रही है हम आशा करते हैं कि इसके भी सकारात्मक परिणाम जल्द सामने आयेंगे। उत्तराखण्ड की आर्य समाजों का एक–एक कार्यकर्ता स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में चल रहा है। आप अन्य कोई भी जिम्मेदारी हमें देंगे उसे हम स्वीकार करके पूरी ताकत के साथ कार्य करेंगे।

– गोविन्द सिंह भण्डारी एडवोकेट, प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तराखण्ड

आर्य समाज की ओर आम जनता आज भी आशाभरी नजरों से देखती है

आर्य समाज ने हमेशा जरूरतमन्दों की सेवा व सहायता सबसे आगे बढ़कर की है। मजदूर किसान की लड़ाई भी आर्य समाज ने लड़ी है। आज भी विभिन्न समस्याओं से ग्रसित आम समाज आर्य समाज की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है। उसको आर्य समाज के अलावा आज कोई दूसरा रास्ता दिखाई नहीं देता।

– रामपाल शास्त्री, किसान नेता, महेन्द्रगढ़

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/15-17
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2015-17]

वैदिक विरक्त मण्डल से आर्य समाज को बहुत आशाएँ हैं

आर्य समाज के संन्यासियों, वानप्रस्थियों एवं नैष्ठिक ब्रह्मचारियों के संगठन वैदिक विरक्त मण्डल से बहुत सी आशाएं हैं क्योंकि इतनी बड़ी संन्यासियों की संख्या जिस संगठन के पास हो वो अपने आप में एक बहुत बड़ी ताकत है। यही ताकत आर्य समाज की वर्तमान परिस्थितियों में आई शिथिलता को तोड़ने का कार्य करेगी। वैदिक विरक्त मण्डल ने पहले भी कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं। वर्तमान में भी ऐतिहासिक कार्य की शुरुआत की है सभी को इसमें पूरी ताकत के साथ सहयोग करना चाहिए।

– स्वामी प्रणवानन्द, कोषाध्यक्ष, वैदिक विरक्त मण्डल

सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध छेड़ी गई इस जंग में सभी शामिल हों

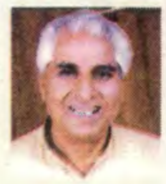

अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक विरक्त मण्डल एंव सार्वदेशिक सभा के संयुक्त तत्वावधान में वेद प्रचार जन–चेतना यात्रा के माध्यम से सामाजिक बुराईयों को जड़ से उखाड़ने व वेद की मान्यताओं को स्थापित करने के लिए जो यह जंग छेड़ी गई है इस जंग में आर्य समाज का प्रत्येक अधिकारी व कार्यकर्ता अपने पूर्ण सामर्थ्य से सहयोग करे। अपने क्षेत्र में भी इसी प्रकार की योजना बनाकर वेद प्रचार के इस नव प्रयास को आगे बढ़ायें तभी आर्य समाज पुनः अपना गौरव प्राप्त कर सकेगा। यात्रा में सहयोग देने वाले समस्त महानुभावों का हम सार्वदेशिक सभा की ओर से हार्दिक धन्यवाद करते हैं।

– पं. माया प्रकाश त्यागी, कोषाध्यक्ष सार्वदेशिक सभा

आर्य समाज के इन पांच बिन्दुओं पर दिल्ली सरकार गंभीरता से विचार करेगी

स्वामी आर्यवेश जी हमारे पुराने मित्र हैं कितने संघर्षों में हम साथ रहे हैं। उन्होंने आज फिर एक जन–जागरण आन्दोलन प्रारम्भ किया है। मैं इनको बधाई देता हूँ क्योंकि जागरूकता ही संघर्ष का सबसे बड़ा हथियार होता है। मेरे जीवन में भी आर्य समाज व सार्वदेशिक सभा का ऋण है। संघर्ष के दिनों में मुझे व मेरे साथियों को सभा का सहयोग मिला। स्वामी जी द्वारा लिए गए इन पांचों मुद्दों पर दिल्ली सरकार गम्भीरता से विचार करेगी तथा जल्द ही एक बैठक मुख्यमंत्री जी के साथ स्वामी आर्यवेश जी उनके डेलीगेशन की निश्चित की जायेगी।

– गोपाल राय, मंत्री, दिल्ली सरकार

स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में आर्य समाज ने नए सिरे से अंगड़ाई ली है

आर्य समाज में आई शिथिलता को एक झटके के साथ तोड़ने का कार्य सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने किया है। उनके सिवाय यह काम शायद ही कोई और कर सकता था। क्योंकि इतनी बड़ी पहल और इतना बड़ा पुरुषार्थ करने की हिम्मत कोई विरला ही करता है। आज पूरा आर्य जगत खासकर के युवा स्वामी जी के साथ है।

– रमाकान्त सारस्वत आर्य युवा नेता, आगरा (उ. प्र.)

प्रतिष्ठा में :–

नई दिल्ली ...00..

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

पूरे उत्तर प्रदेश में भी चलाया जायेगा वेद प्रचार जन–जागरण अभियान

इस यात्रा के उपरान्त उत्तर प्रदेश जो आर्य समाज की दृष्टि से पूरे देश में सक्षम एवं सबल आर्य समाजी प्रान्त है। उसमें पहले तो मई में प्रान्तीय सम्मेलन का आयोजन होगा तथा उसी सम्मेलन में पूरे प्रान्त में वेद प्रचार की नई योजना जोकि चरणबद्ध तरीके से होगी उसकी रूपरेखा को अन्तिम रूप दिया जायेगा तथा सभी साथियों की जिम्मेदारियाँ निर्धारित की जायेंगी।

डॉ धीरज सिंह (कोषाध्यक्ष) स्वामी धर्मेश्वरानन्द (मंत्री)
आर्य प्रतिनिधि सभा उ. प्र.

देश के माथे से कन्या भ्रूण हत्या के कलंक को मिटाना ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य

पिछले लम्बे समय से लोगों की विकृत मानसिकता के कारण नारी को दूसरे दर्जे का माना जा रहा है। दहेज व असुरक्षा के कारण नारियाँ एक घुटन भरा जीवन जी रही हैं। उसी के साथ–साथ समाज की छोटी सोच के कारण माँ के पेट में पल रहे बच्चे की जाँच करवाने की प्रवृत्ति प्रबल हुई। जिस भी माँ के पेट में यदि लड़की मिलती है उसे लोग मरवाकर काट–छांटकर चील, कौओं व कुत्तों के खाने के लिए गन्दी नाली में फेंक देते हैं। यह इन्सानियत को कलंकित करने वाला बेहूदा खेल लम्बे समय से खेला जा रहा है। वर्तमान में पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की संख्या 4 करोड़ 16 लाख कम है। जोकि भारत माता के माथे पर कलंक कन्या भ्रूण हत्या के रूप में दिखाई देता है। हमारी लड़ाई सिर्फ कन्या भ्रूण हत्या को रूकवाना नहीं बल्कि महिलाओं के सम्मान व अस्तित्व को बचाकर उनको स्वाभिमान से जीने का अधिकार दिलवाना है। जब तक हम इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेतें हम आराम से नहीं बैठेंगे। इसके लिए हमें सिर्फ सरकारों पर ही निर्भर नही रहना है बल्कि लोगों को जागरूक करके उनकी मानसिकता को बदलना पड़ेगा। क्योंकि लड़कियाँ सिर्फ कानून बदलने से नहीं बल्कि मानसिकता बदलने से विकसित होंगी।

– बहन पूनम आर्या, अध्यक्ष बेटी बचाओ अभियान

जननी माँ, गऊ माँ व भारत माँ का अस्तित्व खतरे में

माँ जैसा पवित्र शब्द जिसके जुबान पर आते ही सहज में सम्मान की भावना जाग्रत हो जाती है आज वही माँ शब्द जिनके साथ जुड़ा वो अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिखाई पड़ती है। सर्वप्रथम जननियाँ जिसको आज माँ बनने से पहले ही जाँच करवाकर माँ के पेट में कन्या भ्रूण हत्या के रूप में मारा जा रहा है। सृष्टि की आधार मानी जाने वाली नारी का अस्तित्व खतरे में दिखाई पड़ता है। दूसरा गऊ माँ जिसको कहते हैं वे या तो सड़कों पर धक्के खा रही हैं या हर रोज कत्लखानों में काटी जा रही हैं। निर्ममता से हो रही प्रतिदिन गौहत्या से भी गऊ माँ के अस्तित्व को बहुत बड़ा खतरा है। मातृभाषा हिन्दी भी अपने अस्तित्व की लड़ाई में पिछड़ती दिखाई देती हैं। भारत माँ भी आज विभिन्न तरह की बुराईयों एवं समस्याओं के मकड़जाल में छटपटा रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, शोषण, जातिवाद, साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, अश्लीलता, अलगाववाद आदि ने भारत माँ के अस्तित्व को ही चुनौती दे रखी है। आज आवश्यकता है तो माँ के अस्तित्व को बचाने की। इसके लिए समाज का हर जिम्मेदार नागरिक आगे आकर अपने सामर्थ्यानुसार अपनी भूमिका अदा करें अन्यथा माँ का अस्तित्व खत्म हुआ तो सारी सृष्टि के विनाश को कोई नहीं रोक पायेगा।

– प्रवेश आर्या, राष्ट्रीय संयोजक, बेटी बचाओ अभियान

चुनावों में शराब के प्रचलन को रोकें

आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में चुनाव होंगे। प्रधान पद से ब्लॉक समिति, जिला पार्षद या विधायक आपको किसी को भी चुनना हो बस इतना ध्यान रखना कि जो व्यक्ति अपने चुनाव में शराब को हथियार बनाकर प्रयोग करे उसको सिरे से नकार दें व यह घोषणा पूरे आर्य समाज के अधिकारी करें कि जो व्यक्ति शराबबन्दी का समर्थन करेगा उसी को आर्य समाज का वोट जायेगा।

– रामकुमार सिंह, युवा आर्य नेता

नए कीर्तिमान की ओर

आर्य समाज में एक नए युग की शुरुआत हो चुकी है। आगाज हो चुका है एक ऐसे सफर का जो देश को एक तेजस्वी स्वरूप प्रदान करेगा। अब दयानन्द के सच्चे सिपाही स्वामी आर्यवेश जी की अगुवाई में निकल पड़े हैं, अपना आराम व अपना काम छोड़कर जो समाज में व्याप्त कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, गौहत्या, पाखण्ड एवं अश्लीलता पर पूर्ण पाबन्दी लगने तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे। अब देश के हर कोने में बैठा आदमी जान पायेगा आखिर कौन थे स्वामी दयानन्द, आखिर क्यों हैं वेद ही सृष्टि का संविधान, क्या चाहता है आर्य समाज। आज महर्षि दयानन्द को आर्य समाज मन्दिरों की चारदिवारी की कैद से आम जनता तक लेकर जायेंगे ताकि उनके जीवन में भी जीने की एक नई उमंग व उत्साह पैदा हो सके। उनमें भी महर्षि के त्याग व बलिदान को देखकर राष्ट्रभक्ति व वेद भक्ति पैदा हो जाये। वो भी पाखण्ड व बाह्य आडम्बरों से टकराने की हिम्मत पैदा कर सकें।

अब कोई और परीक्षण नहीं बल्कि प्रैक्टिकल होगा। बहुत लम्बी नींद के बाद आर्य समाज पुनः जागा है। एक–एक कार्यकर्ता का जोश हिलोरें ले रहा है। वैदिक विद्वानों की कलम भी अब नया इतिहास लिखने के लिए बेचैन है। स्वामी आर्यवेश जी निकले हैं कृष्ण की सेना का प्रतिनिधित्व करने, टकराना है सामाजिक बुराईयों रूपी कंस की सेना से। हालांकि मैं जानता हूँ अधिकांश आर्य समाज स्वामी जी के साथ श्री कृष्ण की सेना में भर्ती होगा। कुछ लोग अभी सोच रहे हैं कि कृष्ण की सेना में शामिल हों या कंस की सेना में। जीत हमेशा सच्चाई की होती है, जीत हमेशा कृष्ण की सेना की होती है। फैसला आपके ऊपर है। हम तो निकल चले कृष्ण की सेना के साथ।

–ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य, संयोजक वेद प्रचार जन चेतना यात्रा

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वेबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।